मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, मंगलवार, 14 अक्टूबर 2025

संवत 2082, कार्तिक कृष्णपक्ष 7 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 36 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 बड़ा मायने है पर्यटन में मध्य प्रदेश का वैश्विक रुप से हृदय जीत लेना

दीपिका पादुकोण को मिला बड़ा सम्मान, बनी देश की पहली मेंटल हेल्थ एम्बेसडर 6

झारखंड पुलिस ड्यूटी मीट का शुभारंभ

कुशलता, कार्य दक्षता व टीम भावना होगी विकसित : राज्यपाल

संवाददाता

रांची : झारखंड राज्य पुलिस की 20वीं ड्यूटी मीट का मंगलवार को शानदार आगाज हुआ। राज्यपाल संतोष गंगवार ने पुलिस ड्यूटी मीट का उद्घाटन किया। इस दौरान झारखंड डीजीपी अनुराग गुप्ता, सीआईडी के आईजी मनोज कौशिक, असीम विक्रांत मिंज, डीआईजी चंदन झा समेत कई पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

17 तक चलेगा पुलिस ड्यूटी मीट : बता दें कि जैप वन परिसर रांची में 14 से 17 अक्टूबर पुलिस ड्यूटी मीट होगा। इस दौरान कई प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिसमें राज्य भर की आठ टीमों में शामिल 80 से ज्यादा पुलिसकर्मियों के बीच मुकाबला होगा।

मुख्य अतिथि संतोष गंगवार ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से सभी प्रतिभागियों में कार्य कुशलता व दक्षता और टीम भावना विकसित होगी।

कहा कि झारखंड पुलिस अपराध नियंत्रण या आपदा में बेहतर कार्य कर रही है। उन्होंने पुलिस को जनता के साथ मजबूत संबंध बनाने को कहा, ताकि वे पुलिस थाने में शिकायत लेकर जाने में डरे नहीं।

पुलिस अनुसंधान के लिए बेहद महत्वपूर्ण है पुलिस ड्यूटी मीट : बेहतर तकनीक, सूझबूझ, अनुसंधान के तौर तरीकों पर पुलिस खुद अपनी कसौटी पर कितनी खरी उतर रही, इसके लिए हर वर्ष झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी झारखंड पुलिस के जवान बेहतर तकनीक के बल पर अपराधियों को सजा दिलाने के गुर सीखेंगे। इस प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान पर आने वाली टीमों को मिलाकर राज्य की टीम तैयार की जाएगी, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए भेजा जाएगा।

सूर्या हांसदा एनकाउंटर केसः सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश

रांची : गोड्डा में पुलिस एनकाउंटर में मारे गए भाजपा समेत अन्य दलों के टिकट पर चुनाव लड़ चुके सूर्या हांसदा एनकाउंटर की सीबीआई जांच के लिए दायर क्रिमिनल रिट पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। मंगलवार की सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार को इस मामले में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अम्बुज नाथ की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता कुमार हर्ष ने बहस की। सूर्या हांसदा के एनकाउंटर को फर्जी बताते हुए उसकी पत्नी सुशीला मुर्मू और मां नीलमुनी मुर्मू के द्वारा पूरे मामले की जांच के लिए हाईकोर्ट में क्रिमिनल रिट दाखिल की गई है।

याचिका में राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव,डीजीपी, गोड्डा जिले के एसपी और देवघर एसपी समेत अन्य अधिकारियों को पार्टी बनाया गया है। बता दें कि गोड्डा में 11 अगस्त को पुलिस से एनकाउंटर में अपराधी सूर्या हांसदा मारा गया था। मुठभेड़ बोआरीजोर थाना क्षेत्र स्थित ललमटिया धमनी पहाड़ में हुई थी। दस अगस्त शाम ही उसकी गिरफ्तारी हुई थी।

सूर्या हांसदा की मां नीलमुनि मुर्मू ने अपनी याचिका में कहा है कि घटना से पहले देवघर के मोहनपुर थाना क्षेत्र के नावाडीह गांव से उनके बेटे सूर्या की गिरफ्तारी हुई थी। हाल ही में साहिबगंज के मिर्जा चौकी थाना और गोड्डा के ललमटिया थाना में सूर्या हांसदा के खिलाफ कई संगीन अपराधों में संलिप्त रहने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी।

सारंडा मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई कल

रांची : सुप्रीम कोर्ट ने सारंडा के अभयारण्य घोषित करने की मामले की सुनाई के लिए 15 अक्टूबर की तिथि निर्धारित है। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायाधीश के विनोद चंद्रन की पीठ में होगी। इससे पहले सारंडा मामले पर आठ अक्टूबर को सुनवाई हुई थी। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार और सेल की ओर से दी गयी दलील पर विचार करने के बाद न्यायालय ने राज्य सरकार को 57519.41 हेक्टेयर के बदले 31468.25 को अभयारण्य घोषित करने की अनुमति दे दी थी। साथ ही रअक्छ और वैध लीज को अभयारण्य के प्रभाव क्षेत्र से बाहर रखने की अनुमति दी थी। न्यायालय ने अभयारण्य घोषित करने के मामले में राज्य सरकार को एक सप्ताह के बाद इस सिलसिले में न्यायालय में शपथ पत्र दायर करने का निर्देश दिया था। सरकार की ओर से यह दलील दी गयी थी कि वह एनजीटी के निर्देश के आलोक में 31468.25 हेक्टेयर को अभयारण्य घोषित करना चाहती है. लेकिन रंल्लू३४१८ के बाहर एक किलोमीटर के दायरे में माइनिंग प्रतिबंधित रहता है। इससे रअक्छ और वैध लीज का माइनिंग प्रभावित होगा। इसलिए न्यायालय माइनिंग को प्रभावित किये बिना 31478.25 हेक्टेयर इलाका चिह्नित करने का समय दे। न्यायालय ने इसके लिए एक सप्ताह का समय देते हुए सुनवाई की अगली तिथि पर शपथ पत्र दायर करने का निर्देश दिया था।

निकाय चुनाव को लेकर हाईकोर्ट में उपस्थित हुए मुख्य सचिव, गृह सचिव और नगर विकास सचिव

रांची : स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर दायर अवमानना याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कोर्ट के समक्ष सील्ड कवर रिपोर्ट पेश की गई। लेकिन कोर्ट ने रिपार्ट बिना खोले यह कहते हुए वापस कर दिया कि अगली सुनवाई के दौरान रिपोर्ट प्रस्तुत कीजिए। राज्य सरकार के कैबिनेट की बैठक पूर्व निर्धारित होने के कारण राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव, व नगर विकास सचिव के सशरीर उपस्थित होने के बाद महाधिवक्ता के आग्रह पर सभी अधिकारियों को कैबिनेट की बैठक में जाने की छुट दी गई। वे अगली सुनवाई 10 नवंबर को उपस्थित रहेंगे। राज्य निर्वाचन आयोग ने कम से कम तीन माह के समय की मांग की, जिसे कोर्ट ने अस्वीकृत करते हुए कम से कम समय सीमा निर्धारित करने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने अब इस मामले में विस्तृत सुनवाई के लिए 10 नवंबर की तारीख निर्धारित की है। इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के जस्टिस आनंद सेन की अदालत में हुई। इस संबध में निवर्तमान पार्षद रौशनी खलखो की ओर से अवमानना याचिका दायर की गई है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता विनोद सिंह ने अदालत के समक्ष पक्ष रखा।

नक्सलियों ने मोबाइल टावर में लगाई आग, धमाकों से गूंजा इलाका

चाईबासा : जिले के सीमावर्ती सारंडा क्षेत्र में एक बार फिर माओवादियों की गतिविधियां तेज हो गई है, जिससे इलाके में दहशत का माहौल है। सोमवार की देर रात भाकपा माओवादी नक्सलियों ने छोटानागरा थाना क्षेत्र के बहदा गांव स्थित एयरटेल के मोबाइल टावर को आग के हवाले कर दिया।

ग्रामीणों के अनुसार, देर रात करीब दर्जनभर हथियारबंद नक्सली अचानक गांव पहुंचे और ग्रामीणों को घरों में बंद रहने की कड़ी चेतावनी दी। इसके बाद नक्सलियों ने टावर पर लगे पैनल और बैटरी उपकरणों में पेट्रोल डालकर आग लगा दी। कुछ ही मिनटों में टावर धू-धू कर जल उठा और उसकी लपटें पूरे इलाके

में दिखाई देने लगीं।

उपकरण जलने और फटने से रह-रहकर आती रहीं तेज आवाजें

आग लगने के बाद टावर के उपकरण जलने और फटने से रह-रहकर तेज आवाजें आती रहीं। ग्रामीणों ने बताया कि रात लगभग एक बजे तक पूरे क्षेत्र में धमाके की आवाज सुनाई दे रही थी।

इस वारदात के बाद पूरे इलाके में धुआं फैल गया और बिजली की तारें जलकर टूट गईं। भय के साये में पूरी रात गुजारने वाले ग्रामीणों ने डर के मारे घरों से बाहर झांकने तक की हिम्मत नहीं

की।

ऑपरेशन कगार के विरोध में हमला, दी बड़ी चेतावनी : नक्सलियों ने ऑपरेशन कगार के विरोध में इस हमले को अंजाम दिया है। उन्होंने घटनास्थल पर कई पोस्टर और पर्चे भी छोड़े हैं, जिनमें पुलिस द्वारा मारे गए साथियों का बदला लेने की खुली धमकी दी गई है।

पोस्टर में माओवादियों ने ऑपरेशन कगार के विरोध में 8 से 14 अक्टूबर तक प्रतिशोध सप्ताह मनाने का आह्वान किया है। इसके साथ ही 15 अक्टूबर को झारखंड, बिहार, उत्तरी छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और असम में बड़ी कार्रवाई करने की धमकी दी है।

अब उसी अंदाज में लिया जाएगा बदला : पोस्टर में स्पष्ट रूप से लिखा है कि पुलिस हमारे साथियों का खून बहा रही है। अब बदला उसी अंदाज में लिया जाएगा। नक्सलियों द्वारा टॉवर जलाने से स्थानीय ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। एयरटेल का मोबाइल टावर जल जाने के कारण पूरे इलाके में नेटवर्क ठप हो गया है।

इधर, इस घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है। नक्सलियों के खिलाफ इलाके में सर्च ऑपरेशन तेज करने की संभावना है।

रांची में पुलिस अधिकारियों का तबादला, बदले गए एक दर्जन थाना प्रभारी

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची के पुलिस विभाग में बड़ा बदलाव किया गया है। यहां एक दर्जन थाना प्रभारी हटाकर उनकी जगह नए थाना प्रभारी बनाए गए हैं। लगभग 28 सब इंस्पेक्टर का थाना बदल दिया गया है। मामले को लेकर रांची के सीनियर एसपी राकेश रंजन के द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है।

किन थाना प्रभारी का कहां हुआ ट्रांसफर

सतीश कुमार 1 - थाना प्रभारी पिठोरिया

सिद्धांत - थाना प्रभारी तुपुदाना

अजय कुमार दास - ओपी प्रभारी बीआईटी मेसरा

टिंकू रजक -थाना प्रभारी चान्हो

मनोज करमाली - थाना प्रभारी मांडर

मनीष कुमार - ओपी प्रभारी खरसीदाग

नवीन शर्मा - थाना प्रभारी बुढ़मू

गोविंद कुमार - थाना प्रभारी लापुंग

सुजीत कुमार उरांव -थाना प्रभारी बेड़ो

सत्य प्रकाश उपाध्याय - टीओपी प्रभारी दलादली

शुभम कुमार - थाना प्रभारी, ठाकुरगांव

सुनील कुमार गौड़ - प्रभारी टीओपी खादगढ़ा

रंजीत कुमार - यातायात थाना प्रभारी पंडरा

गौतम कुमार रजवार - थाना प्रभारी अनगड़ा

दुलाल कुमार महतो - टीओपी प्रभारी मोराबादी

फैज रब्बानी - ओपी प्रभारी पंडरा

राहुल कुमार मेहता - ओपी प्रभारी मुरी

कौन-कौन थाना प्रभारी हटाए गए

अभय कुमार को सदर थाना भेजा गया।

संजीव कुमार को बरियातू थाना भेजा गया।

गगन कुमार ठाकुर प्रभारी अभियोजन कोषांग बनाए गए।

चंदन कुमार गुप्ता अरगोड़ा थाना भेजे गए।

राहुल सुखदेव नगर थाना भेजे गए।

भावेश कुमार चुटिया थाना भेजे गए।

रितेश कुमार महतो डोरंडा थाना भेजे गए।

अभिषेक कुमार दो लोअर बाजार थाना भेजे गए।

देव प्रताप धन हिंदपीढ़ी थाना भेजे गए।

हीरालाल शाह धुर्वा थाना भेजे गए

नए एसएसपी ने बनाई अपनी टीम : राजधानी में नए एसएसपी के ज्वाइन करने के बाद से ही थाना प्रभारियो के तबादले के अटकलें लगाए जा रहे थे। एसएसपी राकेश रंजन ने अपनी टीम बनाई है। तबादला के संबंध में एसपी के द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है।कुछ ऐसे थाना प्रभारी का भी तबादला किया गया है जो कुछ महीने पहले ही थाना प्रभारी बने थे।

जदयू को बड़ा झटका, भागलपुर के सांसद अजय मंडल का इस्तीफा, लगाये गंभीर आरोप

पटना : विधानसभा चुनाव के बीच जदयू को बड़ा झटका लगा है। भागलपुर के सांसद अजय मंडल ने सांसद पद से इस्तीफा दे दिया है। पार्टी में खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे अजय मंडल ने अपने त्यागपत्र में संगठन पर कई गंभीर आरोप लगाये हैं। भागलपुर के सांसद अजय कुमार मंडल ने पार्टी नेतृत्व को सौंपी चिट्ठी में कहा है कि उन्होंने पार्टी सांसद रहते हुए कभी भी पार्टी लाइन के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया। संगठन पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि स्थानीय सांसद के तौर पर पार्टी संगठन ने विधानसभा चुनाव को लेकर उनसे कोई बात नहीं की। पार्टी प्रमुख को लिखे पत्र में अजय मंडल कहते हैं मेरे क्षेत्र में मेरी राय की अनदेखी हो रही है। उन्होंने अपनी चिट्ठी में टिकट बंटवारे और स्थानीय नेतृत्व की अनदेखी पर नाराजगी जताई है। सांसद अजय कुमार मंडल ने 14 अक्टूबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पार्टी नेतृत्व को भेजे पत्र में लिखा है कि पिछले 20-25 वर्षों से वे संगठन और जनता की सेवा कर रहे हैं, लेकिन अब उनके क्षेत्र में टिकट बंटवारे को लेकर उनकी राय को पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है।

समर्पित कार्यकर्ता की उपेक्षा : उन्होंने कहा कि पार्टी के कुछ लोग उनके लोकसभा क्षेत्र में टिकट बांटने का काम कर रहे हैं। उनसे इस बारे में कोई राय तक नहीं ली गयी है। जिलाध्यक्ष और जिला कमेटी के प्रस्ताव को भी संगठन स्तर पर खारिज कर दिया गया है। संगठन में समर्पित कार्यकताओं की लगातार अनदेखी की जा रही है।

56 से अधिक संघर्षों ने वैश्विक व्यवस्था को बनाया जटिल

दुनिया एक निर्णायक मोड़ पर: जनरल उपेन्द्र द्विवेदी

नई दिल्ली : दुनिया आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है, 90 से अधिक देश, 56 से अधिक सक्रिय संघर्षों में लिप्त हैं। 90 से अधिक देशों की इन संघर्षों में भागीदारी ने वैश्विक व्यवस्था को जटिल बना दिया है। यह जानकारी मंगलवार को भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने दी। वह नई दिल्ली में आयोजित संयुक्त राष्ट्र शांति सेना योगदानकर्ता देशों के प्रमुखों के सम्मेलन में बोल रहे थे। यहां जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने वैश्विक शांति के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि नई प्रौद्योगिकियां, हाइब्रिड युद्ध, गैर-राज्यीय तत्वों की भूमिका और दुष्प्रचार जैसे कारक पारंपरिक युद्ध और शांति के बीच की रेखाओं को धुंधला कर रहे हैं। विश्व शांति में भारत के सहयोग व प्रतिबद्धता की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया

कि भारत अब तक 51 संयुक्त राष्ट्र मिशनों में लगभग 3 लाख सैनिकों (पुरुष और महिलाएं) भेज चुका है। जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने बताया कि यह कुल 71 मिशनों में से सबसे अधिक है। उन्होंने बताया कि कोरिया (1950) और कांगो (1960) से लेकर आज 11 में से 9 चल रहे मिशनों में भारत की सक्रिय उपस्थिति है। उन्होंने कहा कि भारत न केवल सैनिक भेजने वाला देश है, बल्कि अनुभव साझा करने में भी अग्रणी है। नई दिल्ली स्थित संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र को राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया गया है, जहां अनेक देशों के अधिकारी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं।

उन्होंने कहा, ह्लभारत में इस सम्मेलन का आयोजन, भारत की उस भावना का प्रतीक है जिसे हम वसुधैव कुटुम्बकम् और विश्व बंधु के रूप में मानते हैं। विश्व एक परिवार है और भारत सबका मित्र।ह्व शांति स्थापना के बदलते स्वरूप पर दृष्टि डालते हुए थल सेना प्रमुख ने वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों की ओर इशारा करते हुए कहा कि आज शांति स्थापना अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि आज का शांति सैनिक केवल सुरक्षा प्रदाता नहीं है, बल्कि राजनयिक, तकनीकी विशेषज्ञ, समाज निमार्ता और कभी-कभी संघर्ष क्षेत्रों में सूचना का एकमात्र माध्यम भी बन जाता है।

उन्होंने ब्लू हेलमेट्स पहनने वाले शांति सैनिकों के लिए कहा, ह्लब्लू हेलमेट्स वास्तव में वह ह्यगोंदह्व हैं जो मिशन को एकजुट रखती है।ह्व जनरल द्विवेदी ने कहा कि भविष्य के शांति अभियानों के लिए हमें नवोन्मेषी सोच और व्यावहारिक अनुकूलन की आवश्यकता है। उन्होंने कुछ प्रमुख बिंदु रखे। सेना प्रमुख ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र मिशनों के लिए धन की कमी को ध्यान में रखते हुए अब कम सैनिकों और अधिक तकनीकी सहयोग के साथ मिशन संचालित करने होंगे। शांति स्थापना अब केवल सशस्त्र उपस्थिति तक सीमित न रहकर, निवारक कूटनीति और दीर्घकालिक शांति निर्माण की दिशा में आगे बढ़नी चाहिए।

उन्होंने पश्चिम अफ्रीकी कहावत उद्धत की, ह्लधीरे बोलो और बड़ा डंडा साथ रखो, तुम दूर तक जाओगे।ह्व सेनाध्यक्ष ने कहा कि कुछ मिशन जिनकी जटिलता बढ़ गई है, उनके लिए सीमित अवधि हेतु दोनों अध्यायों के बीच इंटरचेंजएबिलिटी (लचीलापन) की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के यू1 से यू9 कार्यालयों के कार्यों का सुधार, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व बढ़ाना आवश्यक है। उन्होंने बल दिया कि आधुनिक तकनीक, तीव्र तैनाती क्षमता और आपसी इंटरऑपरेबिलिटी (संगतता) को बढ़ाना अब समय की मांग है। उन्होंने कहा, ह्लसंयुक्त प्रशिक्षण, संसाधनों का बुद्धिमान उपयोग और साझी योजना ही शांति अभियानों को दीर्घकालिक स्थायित्व प्रदान कर सकते हैं।

समाचार सार

अफीम की खेती के खिलाफ एसडीपीओ ने चलाया जनजागरुकता अभियान

खूंटी : जिले के सुदूरवर्ती गाँवों में बढ़ती अफीम की खेती और उसके दुष्प्रभावों को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई है। इस कड़ी में, अड़की प्रखंड के गाँवों में शनिवार को जनजागरुकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व एसडीपीओ वरुण रजक ने किया। उन्होंने स्थानीय लोगों को अफीम की खेती के गंभीर नुकसान और कानूनी परिणामों के बारे में विस्तार से समझाया। अभियान के दौरान नुक्कड़ नाटक का आयोजन करके अफीम की खेती से होने वाले सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों को रंगमंच के माध्यम से दिखाया गया। प्रशासन की रणनीति के मुताबिक, जनजागरुकता पहली प्राथमिकता है। इसके बाद अफीम तस्करों की गिरफ्तारी, अफीम माफिया पर कार्रवाई, जमीन का सत्यापन और अफीम की खेती करने वाले रैयतों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने जैसे कड़े कदम उठाए जाएंगे। एसडीपीओ वरुण रजक ने बताया कि इस तरह के अभियान लगातार जारी रहेंगे ताकि लोगों को अफीम की अवैध खेती से दूर रखा जा सके और जिले को इस नशीले पदार्थ के चंगुल से मुक्त कराया जा सके।

स्कूटी-बोलेरो टक्कर में दो लोग गंभीर रूप से घायल

तोरपा: मरचा रनिया मुख्य मार्ग स्थित बिश्रामपुर गांव में एक अज्ञात बोलेरो और एक स्कूटी के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना सोमवार को दोपहर दो बजे के आसपास की बताई जा रही है। इस सड़क दुर्घटना में स्कूटी पर सवार तोरपा के दियांकेल निवासी बसिल तोपनो और सुधीर तोपनो गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्कूटी सहित दोनों घायल सड़क के किनारे झाड़ियों में जा गिरे। मौके पर पहुँचे स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकाला और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए रेफरल अस्पताल, तोरपा ले जाया गया। अस्पताल के चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। घायल बसिल तोपनो ने बताया कि वह सुधीर के साथ स्कूटी पर सवार होकर डोयगेर से रिश्तेदार के घर से लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में बिश्रामपुर गांव में अचानक एक बोलेरो वाहन से उनकी स्कूटी की जोरदार टक्कर हो गई। इस घटना के बाद टक्कर मारने वाला बोलेरो वाहन वारदात स्थल से फरार हो गया। स्थानीय पुलिस ने मामले की जानकारी लेकर दुर्घटना के संबंध में विवरण दर्ज किया है और फरार वाहन की तलाश जारी है।

दूसरे दिन बाद भी डूबे मजदूर का पता नहीं

खूंटी: जिले के तपकरां थाना क्षेत्र अंतर्गत पेड़वाघाघ जलप्रपात में नहाने के कर्म में डूबे असम के मजदूर राजू उर्फ रायबुल आलि को बरामद करने का अभियान दूसरे दिन भी नाकाम रहा है। एनडीआरएफ की टीम अपने गोताखोरों के साथ दूसरे दिन लगातार खोजबीन के बावजूद उसे ढूंढने में विफल रही इससे पहले प्रशासन और पर्यटक मित्र की सहायता से खोज अभियान में भी सफलता नहीं मिली थी। अगले दिन सोमवार को एनडीआरफ की तीन दिन भर के प्रयास के बाद शाम को वापस लौट गई। गौरतलब है कि रविवार को पेड़वाघाघ जलप्रपात में नहाने के दौरान रायबुल का पैर फिसल गया था और वह गहरे पानी में बह गया था जिसे उसके दोस्तो के द्वारा बचाने का प्रयास किया गया पर उसे बचा नहीं सके और वो गहरे पानी में डूब गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों और प्रशासन ने देर रात भर उसे ढूंढने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद सोमवार को एनडीआरएफ की 26 सदस्यीय विशेष टीम को घटनास्थल पर बुलाया गया। उनके गोताखोरों ने पानी की अधिक गहराई और तेज बहाव के बीच जोखिम भरा ऑपरेशन चलाया, लेकिन दूसरे दिन के प्रयासों के बाद भी रायबुल का पता नहीं चल सका और शाम होने पर एनडीआरफ की पूरी टीम वापस लौट गई। एनडीआरएफ की टीम के वापस लौटने के बाद भी स्थानीय पुलिस और प्रशासन ने खोज जारी रही। स्थानीय पर्यटक मित्र, पुलिस और प्रशासनिक टीमों ने पानी के बहाव की दिशा में लगभग पांच किलोमीटर तक का इलाका छान मारा, लेकिन उन्हें भी सफलता नहीं मिली। प्रशासन के अनुसार, मंगलवार को एक बार फिर लापता मजदूर को खोजने का अभियान शुरू किया जाएगा। बताया गया है कि रायबुल आलि असम का रहने वाला था और पेड़वाघाघ इलाके में मरम्मत का काम कर रहा था।

हजारीबाग पुलिस को नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता, भारी मात्रा में हथियार बरामद

हजारीबाग: सीआरपीएफ और हजारीबाग पुलिस द्वारा चलाए गए संयुक्त नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। हजारीबाग-बोकारो जिले के सीमावर्ती इलाके से दो एसएलआर राइफल, मैगजीन, भारी मात्रा में कारतूस और अन्य सामग्री बरामद की गई है। हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अंजनी अंजन ने इस खबर की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि राज्य भर में नक्सलियों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया जा रहा है और हजारीबाग में भी यह अभियान जोर-शोर से चलाया जा रहा है। हजारीबाग-बोकारो जिले के सीमावर्ती इलाकों में नक्सली गतिविधियों की खुफिया जानकारी मिली थी। इसी सूचना के आधार पर अभियान चलाया गया और यह सफलता मिली, जिसमें सीआरपीएफ की अहम भूमिका रही। नक्सली सामग्री मिलने के बाद पूरे इलाके में संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस नक्सलियों की धरपकड़ के लिए विभिन्न इलाकों में गश्त भी कर रही है। जंगली इलाकों में भी अभियान चलाया जा रहा है। गौरतलब हो कि 15 सितंबर को हजारीबाग पुलिस और कोबरा टीम के संयुक्त अभियान के दौरान गोरहर थाना क्षेत्र में भाकपा (माओवादी) के तीन शीर्ष उग्रवादी मारे गए थे। इनमें एक करोड़ रुपये का इनामी केंद्रीय समिति सदस्य सहदेव सोरेन, 25 लाख रुपये का इनामी झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी सदस्य रघुनाथ हेम्ब्रम और 10 लाख रुपये का इनामी जोनल कमेटी सदस्य बीरसेन गंझू शामिल थे। अभियान के दौरान तीन एके-47 राइफलें और अन्य सामान बरामद किया गया था।

मंत्री ने शुरू की अपने विभागों की गहन समीक्षा

संवाददाता

रांची : कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने नेपाल हॉउस मंत्रालय में आज से अपने विभागों की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक शुरू की। समीक्षा बैठक के पहले दिन कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कृषि और उद्यानिकी विभाग की गहन समीक्षा बैठक की गयी।

कृषि निदेशक भोर सिंह यादव और उद्यानिकी निदेशक माधवी मिश्रा की उपस्थिति में हुई मैराथन समीक्षा बैठक में कृषिमंत्री ने कई निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं की गति बढ़ाना और लाभुकों के घर योजनाएं पहुंचे। यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

इस समीक्षा बैठक के दौरान कृषि मंत्री ने झारखंड में रबी फसल के बीज वितरण का कार्य क्लस्टर के फामूर्ले पर करने का निर्देश दिया। मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि 80 से 100 गांव को मिलाकर कर कलस्टर निर्माण करें और हर एक क्लस्टर को किसी खास फसल की पहचान के तौर पर विकसित करें।

नेपाल हाउस में कृषि एवं उद्यान विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि बिरसा फसल विस्तार योजना के तहत 100 प्रतिशत अनुदान पर बीज का वितरण किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी लेते हुए कृषि मंत्री ने योजनाओं की रफ्तार बढ़ाने के साथ साथ समय पर लाभुक को योजना का लाभ दिलाने की बात कही। रबी फसल को लेकर विशेष रूप से तैयारी करने का निर्देश भी इस दौरान अधिकारियों को दिया।

पंचायत स्तर पर गोष्ठी का होगा आयोजन : कृषि मंत्री ने दलहन और तिलहन फसल को लेकर किसानों के बीच जागरुकता, गोष्ठी का आयोजन, किसानों के लिए प्रखंड स्तर पर आयोजित होने वाली गोष्ठी इस बार पंचायत स्तर पर आयोजित करने के भी निर्देश दिए। संगोष्ठि का उद्देश्य गांव के लोगों को विभाग की योजनाओं को लेकर जागरूक करना है। इसके साथ ही नवंबर माह में रांची में राज्य स्तरीय कृषि व्यापार मेला आयोजित करने पर सहमति बनी है। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने मेला की सफलता को लेकर अधिकारियों को विशेष जिम्मेदारी भी दी।

इस समीक्षा बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि इस साल अच्छी बारिश के बाद धान की अच्छी फसल होने की पूरी संभावना है। खेतों में लगे धान की फसल कटने के साथ रबी फसल के लिए जिला स्तर पर मिलने वाले डिमांड के अनुरूप बीज उपलब्ध कराए जाएंगे।

इस समीक्षा बैठक में विभागीय सचिव अबू बकर सिद्दिकी, विशेष सचिव गोपाल तिवारी, विशेष सचिव प्रदीप हजारी, कृषि निदेशक भोर सिंह यादव, उद्यान निदेशक माधवी मिश्रा, समेति निदेशक विकास कुमार भी उपस्थित रहे।

केंद्र की योजनाओं को राज्य सरकार ने ठीक से नहीं किया लागू : अन्नपूर्णा देवी

संवाददाता

जामताड़ा : केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है। केंद्रीय मंत्री ने राज्य सरकार पर केंद्र की योजनाओं को सही रूप से लागू नहीं करने एवं भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री ने राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि झारखंड सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है।

केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि झारखंड सरकार, केंद्र सरकार की योजनाओं को सही रूप से लागू नहीं कर पा रही है। धरातल पर झारखंड सरकार, केंद्र की योजनाओं को उतारने में विफल साबित हो रही है।

पूरे देश में वूमेंस हॉस्टल का होगा निर्माण : केंद्रीय मंत्री ने झारखंड सरकार पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि उनके विभाग से पूरे देश में करीब 500 करोड़ से 254 वूमंस हॉस्टल का निर्माण हो रहा है लेकिन झारखंड में अभी तक यह राशि सरकार के पास पड़ी है लेकिन काम शुरू नहीं हो पाया है। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने बताया कि केंद्र सरकार की महिला वात्सल्य योजना के तहत, भारत सरकार का पैसा राज्य सरकार के पास पड़ा हुआ था लेकिन उसे धरातल पर सरकार उतार नहीं पाई। उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद पैसा लाभार्थियों तक पहुंचा है। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने बताया कि भारत सरकार ने राज्य सरकार का पैसा नहीं रोका है।

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे जल मिशन के तहत जल नल योजना में पूरी तरह से पैसे की बंदरबांट के साथ भ्रष्टाचार का आरोप राज्य सरकार पर लगाया। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि जल मिशन के तहत झारखंड में जन नल योजना पूरी तरह से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है, क्योंकि इस योजना में काम हुआ नहीं है, बीजेपी नेता ने आरोप लगाया कि जो योग्य ठेकेदार नहीं था उसे भी इस योजना के तहत टेंडर दिया गया और पैसे का बंदरबांट किया गया।

आखिर में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने पार्टी द्वारा चलाए जा रहे आत्मनिर्भर भारत अभियान कार्यक्रम पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जन जन तक स्वदेशी को पहुंचाना है। अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत स्वदेशी है। गुलामी के बाद जो पहचान भारत की थी, संस्कृति थी, उसे मिटाने का प्रयास किया गया लेकिन पीएमन मोदी ने भारत की पहचान संस्कृति और स्वदेशी अपनाने और बढ़ाने को लेकर संकल्प लिया है, जिसके चलते पार्टी पूरे देश में अभियान चला रही है। वहीं जामताड़ा में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत विधानसभा कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया था। यहां केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने भाग लिया और पार्टी कार्यकताओं को संबोधित कर पार्टी एवं पीएम मोदी के संकल्प और लक्ष्य को जन-जन तक पहुंचाने और स्वदेशी पर जोर देने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार पर युवाओं को ठगने, महिलाओं को मंईयां सम्मान योजना के तहत घर-घर में लड़ाई झगड़े लगाने का आरोप लगाया।

रांची आरपीएफ की सतर्कता से तीन नाबालिग मानव तस्करी से बचे, एक आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

रांची: आरपीएफ रांची ने अपनी तत्परता और सतर्कता से मानव तस्करी की एक बड़ी घटना को होने से रोक लिया। कमांडेंट पवन कुमार के निर्देशन में चलाए गए विशेष अभियान के तहत आरपीएफ पोस्ट रांची, नन्हे फरिश्ते और एसआईबी रांची की संयुक्त टीम ने तीन नाबालिग लड़कों को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया।

एसआईबी टीम रांची से प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने रांची रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 01अ पर निगरानी रखी। इसी दौरान लोहरदगाझरांची मेमू पैसेंजर ट्रेन (संख्या 68040) पर एक संदिग्ध व्यक्ति तीन नाबालिग लड़कों के साथ पाया गया, जो भयभीत लग रहे थे।

पूछताछ में संदिग्ध व्यक्ति संतोषजनक उत्तर नहीं दे सका, जिसके बाद सभी को आरपीएफ पोस्ट रांची लाया गया। पूछताछ में नाबालिगों ने खुद को जिला गुमला का निवासी बताया। बच्चों ने कहा कि एक व्यक्ति आयुष असुर उन्हें काम दिलाने के बहाने लोहरदगा से लेकर आया था और आरोपी जगतपाल उरांव को सौंप दिया था, जो उन्हें आगे अगरतला ले जाने वाला था। आरपीएफ ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जगतपाल उरांव (आयु 33 वर्ष, निवासी गुमला) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसे तीनों बच्चों को रांची तक लाने के लिए 5000 रुपए मिले थे और वह पहले भी ऐसी गतिविधियों में शामिल रहा है। आरपीएफ ने आरोपी के पास से मिले सामान को जब्त करते हुए विधिवत गिरफ्तारी की।

तीनों नाबालिगों को सुरक्षित बचाकर तत्काल देखभाल की गई। इसके बाद गिरफ्तार तस्कर और बचाए गए बच्चों को आगे की कार्रवाई के लिए एएचएटीयू, रांची को सौंप दिया गया। आरपीएफ के अनुसार, यह त्वरित और समन्वित कार्रवाई आरपीएफ पोस्ट रांची, नन्हे फरिश्ते और एसआईबी रांची की टीमों की सजगता का परिणाम है। जिससे तीन मासूमों की मानव तस्करी की घटना समय रहते रोकी जा सकी।

आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार ने कहा कि मानव तस्करी एक गंभीर सामाजिक अपराध है और रेलवे पुलिस ऐसे मामलों को लेकर पूरी तरह संवेदनशील है। हमारी टीम ने समय रहते कार्रवाई कर तीन मासूम बच्चों को एक अनहोनी से बचाया है। यह अभियान आरपीएफ, एसआईबी और नन्हे फरिश्ते टीम के समन्वय और सतर्कता का परिणाम है। भविष्य में भी ऐसे मामलों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी ताकि कोई भी बच्चा तस्करी का शिकार न बने।

कार्रवाई में शामिल अधिकारी : इस ऑपरेशन में आरपीएफ पोस्ट रांची के एसआई सूरज पांडे, एसआई अश्विनी कुमार, कांस्टेबल संजय यादव, कांस्टेबल प्रदीप कुमार, एसआईबी टीम रांची के इंस्पेक्टर एस।एन। प्रसाद, रंजीत कुमार, नन्हे फरिश्ते टीम की एसआई सुनीता तिर्की, लेडी स्टाफ सुचिता, देवमणि इस कार्रवाई में शामिल रहीं। यह कार्रवाई मानव तस्करी रोकथाम की दिशा में आरपीएफ रांची की एक और प्रभावी पहल मानी जा रही है।

उपायुक्त ने एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के मामलों की समीक्षा की

पीड़ितों को राहत राशि के त्वरित भुगतान के दिए निर्देश

संवाददता

खूंटी : उपायुक्त आर रॉनिटा की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत प्राप्त मामलों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पीड़ितों को राहत राशि के भुगतान पर विशेष ध्यान दिया गया।

समाहरणालय सभागार में आयोजित इस बैठक में जिले में दर्ज दो मामलों की गहन समीक्षा की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री मनीष टोप्पो, परियोजना निदेशक आईटीडीए श्री आलोक शिकारी कच्छप, जिला कल्याण पदाधिकारी श्री प्रमोद राम सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे। उपायुक्त ने कहा कि इस अधिनियम का मूल उद्देश्य एससी/एसटी वर्ग के लोगों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना तथा अत्याचार की स्थिति में शीघ्र न्याय और आर्थिक सहायता सुनिश्चित करना है।

समीक्षा के दौरान, पहले मामले में, जहां एफआईआर दर्ज कर न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया गया था, उपायुक्त ने 75% राहत राशि अर्थात ?75,000 के तत्काल भुगतान के निर्देश दिए। वहीं, दूसरे मामले में, जहां केवल एफआईआर दर्ज की गई थी, वहां 25% राहत राशि अर्थात ?25,000 के भुगतान का आदेश दिया गया।

गौरतलब है कि अधिनियम के तहत अत्याचार के पीड़ित को कुल ?1 लाख की राहत राशि प्रदान करने का प्रावधान है, जिसका भुगतान एफआईआर, चार्जशीट और न्यायिक प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में किया जाता है। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि इस अधिनियम के तहत आने वाले मामलों की नियमित समीक्षा करके पीड़ितों को सहायता राशि का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक एवं सामाजिक स्तर पर राहत प्रदान की जा सके।

हजारीबाग में हार्डकोर नक्सली सुनील गंझू गिरफ्तार, बेलतू नरसंहार में था संलिप्त

हजारीबाग: पुलिस ने हार्डकोर माओवादी पूर्व जोनल कमांडर सुनील गंझू को गिरफ्तार किया है। उस पर 54 मामले अलग अलग थानों में दर्ज हैं। उसे झारखंड का टेरर भी कहा जाता था। झारखंड के बहुचर्चित बेलतू नरसंहार में भी वह संलिप्त था। जिसमें 13 ग्रामीणों की निर्मम हत्या कर दी गई थी। सुनील गंझू 1990 से भाकपा माओवादी संगठन में सक्रिय था।

जेल से निकलने के बाद विभिन्न घटनाओं को देता रहा अंजाम : 2018 में जेल से निकलने के बाद वह फिर से संगठन में सक्रिय हुआ और विभिन्न घटनाओं को अंजाम देता रहा। इसमें सबसे अहम बात यह है कि भाकपा माओवादी के उत्तरी छोटा नागपुर के रीजनल कमांडर शहदेव महतो और सब जोनल कमांडर नताशा को मदद पहुंचाने का काम करता था। अभी भी यह दस्ता सक्रिय है।

बेलतू नरसंहार में मारे गए थे 13 लोग : हजारीबाग पुलिस की माने तो इसकी गिरफ्तारी से नक्सलियों को एक बड़ा झटका लगा है। सुनील गंझू, हजारीबाग क्षेत्र में सक्रिय नक्सलियों को सहायता पहुंचाता था। यह एक दुर्दांत नक्सली था। इसकी गिरफ्तारी से नक्सली संगठन की कमर टूट चुकी है। दरअसल 2001 में हजारीबाग के बड़कागांव के बेलतू नरसंहार में हथियारबंद माओवादियों ने 13 लोगों को मार डाला था। बताया जाता है कि ग्रामीणों का सिर काटने के बाद नक्सलियों ने, उससे फुटबॉल खेला था। झारखंड बनने के बाद राज्य में सामूहिक हत्या की यह सबसे पहली घटना थी।

अधिसूचना जारी होते ही घाटशिला उपचुनाव के लिए नामांकन शुरू

रांची : अधिसूचना जारी होते ही घाटशिला उपचुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। चुनाव आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, 21 अक्टूबर तक नामांकन पर्चा भरा जाएगा, जबकि 22 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी होगी और 24 अक्टूबर को नामांकन पत्र वापस लिए जा सकेंगे। 11 नवंबर को घाटशिला उपचुनाव के लिए मतदान होगा और 14 नवंबर को उपचुनाव के परिणाम घोषित किए जाएंगे।

बीआईटी का 35वां दीक्षांत समारोह कल,इसरो अध्यक्ष होंगे शामिल

संवाददाता

रांची : बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी), मेसरा अपने 35वें दीक्षांत समारोह का आयोजन 15 अक्टूबर को करने जा रहा है, जिसमें विभिन्न विषयों के स्नातकों को उनके पेशेवर सफर की शुरूआत के लिए सम्मानित किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण अवसर पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष डॉ वी. नारायणन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

डॉ वी. नारायणन का संबोधन नवोदित पेशेवरों को अपने करियर के दौरान उत्कृष्टता, निष्ठा और उद्देश्यपूर्ण नेतृत्व के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करेगा, जिससे विकसित भारत के महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण में योगदान मिलेगा। यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम परिसर में पूरी भव्यता के साथ आयोजित किया जाएगा, जिसमें स्नातक, स्नातकोत्तर, डॉक्टरेट और डिप्लोमा कार्यक्रमों में 1,600 से अधिक छात्रों को उपाधियाँ प्रदान की जाएगी।

इसके अलावा, संस्थान के कुलाधिपति और सीके बिरला समूह के अध्यक्ष श्री सीके बिरला भी सभा को संबोधित करेंगे। उनके ज्ञानवर्धक शब्द छात्रों को नए मानक स्थापित करने और संस्थान में अर्जित मूल्यों का उपयोग करके समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करेंगे।

संस्थान के कुलपति, प्रोफेसर इंद्रनील मन्ना, वार्षिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत करेंगे, जिसमें अनुसंधान, उद्योग सहयोग और वैश्विक शैक्षणिक साझेदारियों में बीआईटी मेसरा की हालिया उपलब्धियों पर प्रकाश डाला जाएगा।

संस्थान का 35वां दीक्षांत समारोह एक उल्लेखनीय आयोजन होने का वादा करता है, जो न केवल छात्रों के असाधारण शैक्षणिक प्रदर्शन का जश्न मनाएगा, बल्कि वैज्ञानिक नवाचार, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व से परिभाषित भविष्य की नींव भी रखेगा।

उपायुक्त ने जनता दरबार में सुनी फरियाद, दिया कार्रवाई का निर्देश

संवाददाता

रांची : सोमवार को समाहरणालय स्थित उपायुक्त सभागार में आयोजित जनता दरबार में उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के समक्ष बड़ी संख्या में आम नागरिक अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। उपायुक्त द्वारा प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए मौके पर ही समाधान अथवा संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

सेविका को शोकॉज करने का निर्देश : माण्डर प्रखण्ड के बंझिला टोला से आयी महिलाओं ने सेविका पर सत्यापन में गड़बड़ी और शिकायत नहीं करने के एवज में पैसे का ऑफर करने का आरोप लगाया। उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने इस पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को सेविका को शो-कॉज करने का निर्देश दिया। साथ ही, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा को सभी संबंधित मामलों की जांच कर निष्पादन करने का आदेश दिया। जनता दरबार के दौरान मंईयां सम्मान योजना से संबधित और भी शिकायतें आयी जिस पर उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा को जांच कर निष्पादन का निर्देश दिया गया।

अनगड़ा सीओ और कर्मचारियों को शो-कॉज करने का निर्देश : अनगड़ा प्रखण्ड के हेसल पंचायत की मुखिया द्वारा बार बार आवेदन समर्पित करने के बाद भी खाता संख्या में सुधार न किये जाने की शिकायत की। दस्तावेजों का अवलोकन करने के बाद उपायुक्त श्री मंजूनाथ द्वारा अनगड़ा सीओ और कर्मचारियों को शो-कॉज करने का निर्देश दिया गया।

घरेलू हिंसा के मामले में चौकीदार का वेतन रोका गया : पिठोरिया थाना क्षेत्र की एक महिला ने बताया कि उसका पति दूसरी शादी कर चुका है और उसे घर से निकाल दिया गया है, इस संबंध में थाने में भी शिकायत करने के बाद कोई कार्रवाई नहीं की गयी, बल्कि महिला और उसके पिता पर झूठा केस भी दर्ज करा दिया गया। मामले पर उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा चौकीदार का वेतन रोकने का निर्देश दिया गया।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य है कि हर नागरिक को समय पर न्याय मिले। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता की समस्याओं को प्राथमिकता से निपटाएं और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

युग-साहित्य पर ऑनलाइन स्वाध्याय पाठ व संवाद हुआ

संवाददाता

रांची : बच्चों में सद्गुण जगाएं और बढ़ाए जाएं। हम सब और हमारे बच्चे भी सामाजिक व्यक्ति हैं। हमारे बच्चे बचपन में पारिवारिक अधिक हैं, यद्यपि उनका भी इस उम्र में एक समाज है,जो बाल समाज स्वरूप है ,फिर उन्हें भी अगले दिनों चलकर, युवावस्था पाकर सामाजिक व्यक्ति बनना है, एक उत्तरदायी नागरिक बनना है। फिर दूसरों की नागरिकता, सज्जनता और उनकी प्रतिष्ठा का ध्यान, ख्याल करते हुए, सन्मार्ग, सत्कर्म का अनुसरण करना, उनकी नागरिकता व प्रतिष्ठा का मूल्यांकन करना आदि सद्गुण आवश्यक व अपेक्षित होता है।

अतः हम सब अभिभावकों का कर्तव्य है कि बच्चों में अभी से ऐसा सुसंस्कार,शिष्टता,सदाचार,अनुशासन का मनोभाव, सुन्दर वातावरण माहौल,स्वच्छता, शुचिता, परिश्रम, परोपकार,सेवाभाव, सद्ज्ञान व सद्गुण का भाव जगाने,बढ़ाने में सहयोग व सद्भाव उत्पन्न करें कि सबमें सज्जनता, नागरिकता, सभ्यता का,मान प्रतिष्ठा का भाव बढें, मूल्य समझें और आगे चलकर, उनकी रक्षा करते हुए वे एक सफल नागरिक बन सिद्ध व गौरवान्वित हों सकें। प्रेमलता दीदी ने अपने संवाद सार में में बताया कि नागरिकता, सज्जनता व प्रतिष्ठा का सबसे बड़ा आधार है सद्गुणः

उपर्युक्त विषय पर गायत्री परिवार आनलाइन स्वाध्याय पाठ-संवाद समूह के साधक-शिष्य भाई-बहनों ने आज सुबह पूज्यगुरुदेवश्री वेदमूर्ति-तपोनिष्ठ पंड्ट श्रीरामशर्मा आचार्य द्वारा लिखित युग साहित्य ₹हमारी भावी पीढ़ी और उसका नवनिर्माण₹ नामक युग-साहित्य का राष्ट्रीय आनलाइन स्वाध्याय पाठ व संवाद किए। प्रारंभ गायत्री महामंत्र के मंत्रोच्चारण एवं गुरु-ईश वंदना सस्वर पाठ से और पाठ समापन शांतिपाठ से किए।

छठ महापर्व को लेकर रांची नगर निगम शुरू की तालाबों की सफाई

रांची : लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर रांची नगर निगम ने यह सुनिश्चित किया है कि हर एक श्रद्धालु स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित वातावरण में पूजा-अर्चना कर सकें। प्रशासक के निर्देश पर निगम का यह महा-अभियान केवल प्रमुख तालाबों तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर के दूर-दराज स्थित सभी छोटे-बड़े जलाशयों में भी वृहद स्तर पर सफाई, समतलीकरण और सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। निगम सीमित संसाधनों के बावजूद पूरी तत्परता के साथ विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। प्रत्येक तालाब का लगातार निरीक्षण पदाधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा किया जा रहा है ताकि किसी भी प्रकार की कमी न रहे । सोमवार को सहायक प्रशासक ने देवी मंडप, सरोवर नगर छठ घाट का निरीक्षण किया एवं संबंधित सुपरवाइजर को स्थल पर व्यापक स्तर पर सफाई एवं समतलीकरण करने का निर्देश दिया। ᛫ वार्ड 52, हेसग तालाब में निगम की टीम द्वारा बोट के माध्यम से तालाब के मध्य भाग और किनारों की सफाई की गई। ᛫ पंडरा नवाटोली छठ घाट पर जेसीबी मशीन से संपर्क मार्ग का समतलीकरण कार्य किया गया। वार्ड 36 पुंदाग तालाब, वार्ड 40 शालीमार छठ घाट, वार्ड 04 बढ़गई तालाब, वार्ड 06 न्यू बांधगाड़ी, वार्ड 52 हेसग तालाब, वार्ड 38 छोटा डैम तथा वार्ड 26 एचआईजी तालाब, वार्ड 07, जुमार नदी छठ घाट में घाटों एवं संपर्क पथों की वृहद स्तर पर सफाई की गई। ᛫ सभी तालाबों के संपर्क पथों पर अवस्थित नालियों की सफाई एवं खुले नालियों पर स्लैब से ढकने का कार्य प्रगति पर है।

वार्ड 34 गंगानगर छठ घाट एवं वार्ड 26 एचआईजी तालाब में चला विशेष अभियान : रांची नगर निगम की टीम द्वारा वार्ड 34 गंगानगर छठ घाट का विशेष भ्रमण करते हुए स्थानीय निवासियों से जलाशय एवं घाट की समस्याओं के संबंध में जानकारी ली गई, जिसके उपरांत स्थल पर विशेष सफाई अभियान शुरू किया गया।

आश्रम में निराश्रितों की संख्या 41 हुई

रांची : श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के अंतर्गत काम कर रही सामाजिक संस्था श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम पुंदाग में चल रहे मंदबुद्धि, दिव्यांग, निराश्रितों लोगों की निःशुल्क सेवा संस्था जनवरी 2024 से लगातार कर रही है। सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एवं प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि रविवार को एक मंदबुद्धि व्यक्ति को आश्रम में लाया गया। जो मानसिक रोगी है आश्रम की टीम को सूचना मिली कि हेहल बुकरू में एक लावारिस अवस्था में मंदबुद्धि व्यक्ति घूम रहा है। आश्रम की टीम ने उसे बुकरू से रेस्क्यू करके आश्रम लाया। टीम में आश्रम के सेवा साथी परमेश्वर साहू, सूरज कुमार और सत्यम कुमार शामिल थे।

डीजीपी की बैठक, दिपावली और छठ के दौरान सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की

संवाददाता

रांचीः आगामी दिपावली और छठ महापर्व के मद्देनजर झारखंड पुलिस ने राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध रोकथाम के लिए व्यापक तैयारियों की समीक्षा की.

झारखंड पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता की अध्यक्षता में पुलिस मुख्यालय रांची में बैठक आयोजित की गई. बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पदाधिकारी भी शामिल हुए.

पुलिस महानिदेशक ने सभी जिला पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान प्रत्येक जिले में नियंत्रण कक्ष में 24x7 पुलिस अधिकारी एवं बल तैनात किया जाए. उन्होंने चोरी और छिनतई जैसी घटनाओं पर नियंत्रण रखने के लिए बाजार क्षेत्रों में नियमित गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया. दिपावली के अवसर पर संवेदनशील स्थानों पर अग्निशमन वाहनों की तैनाती, छठ घाटों जैसे नदी, तालाब और डैम क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और भीड़-भाड़ वाले स्थानों में सादे लिवास में पुलिस बल तैनात करना भी अनिवार्य बताया गया.

इस बैठक में अवैध शराब और ड्रग्स के कारोबार में शामिल अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया. साथ ही सभी पुलिस अधीक्षकों को जिले में चैंबर ऑफ कॉमर्स के साथ नियमित समन्वय स्थापित करने और प्रत्येक माह पदाधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा संबंधित समस्याओं का समाधान करने को कहा गया.

पुलिस महानिदेशक ने रिहायसी इलाकों में आवासीय कल्याण समितियों के गठन पर भी बल दिया. उन्होंने चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों को अपने मकान, कार्यालय और प्रतिष्ठानों में कार्यरत निजी कर्मियों का सत्यापन करने और सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने का निर्देश दिया. इसके अलावा शहर के भीड़-भाड़ वाले स्थानों, एटीएम के बाहर, बैंक और वाहन पार्किंग क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया.

बैठक में पुलिस महानिरीक्षक पटेल मयुर कनैयालाल, पुलिस उप-महानिरीक्षक मनोज रतन और कोल्हान के पुलिस उप-महानिरीक्षक अनुरंजन किस्पोट्टा भी उपस्थित रहे. फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज रांची के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया और राम बंगड़, सचिव रोहित अग्रवाल, संयुक्त सचिव नवजोत अलंग रूबल और रोहित पोद्दार के साथ कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने भी बैठक में भाग लिया.

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्षों ने भी हिस्सा लिया. बैठक का मुख्य उद्देश्य त्योहारों के दौरान राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखना और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था. पुलिस महानिदेशक ने कहा कि सार्वजनिक और निजी स्थानों पर सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू किया जाएगा. चैंबर ऑफ कॉमर्स के सहयोग से पुलिस अपराध रोकथाम में प्रभावी कदम उठाएगी और जनता सुरक्षित रूप से अपने त्योहारों का आनंद ले सकेगी।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची।
सर्वसाधारण के लिए सूचना।

नाम एवं पहनावा
अन्नपूर्ण सिंह, रंग–सांवला, ऊँचाई– 5 फीट 7 ईंच, पहनावा– शर्ट एवं ब्लू पैजामा।

उपरोक्त गुमशुदा व्यक्ति अन्नपूर्ण सिंह, उम्र–42 वर्ष पे0 श्री तारकेश्वर प्रसाद सिंह, पता– कादीटोला, थाना खेलगाँव, जिला–राँची जो दिनांक–18.10.25 को लगभग 10:30 बजे अपने धर से बिना बताये कहीं चले गये है। इनका मानसिक स्थिति ठीक नही है। ये आजतक अपने घर वापस नहीं आये है। जिसके संबंध में खेलगाँव थाना सनहा संख्या–25/2025, दिनांक–23.09.2025, दर्ज कर खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त गुमशुदा पुरूश कहीं मिलता/दिखता है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

पुलिस उपाधीक्षक, सदर, राँची। –9431102092
थाना प्रभारी खेलगाँव राँची। –8987790607

PR 364009 Police(25-26)D
वरीय पुलिस अधीक्षक,राँची।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची
सर्वसाधारण के लिए सूचना।

नाम एवं पहनावा
राहुल रंजन, रंग–सांवला, ऊँचाई– 5 फीट 10 ईंच, पहनावा– भूरा टी शर्ट एवं जींस पैंट एवं हवाई जप्पल।

उपरोक्त गुमशुदा व्यक्ति राहुल रंजन, उम्र–39 वर्ष पे0 श्री प्रवेश कुमार मिश्र, सा0 ओपा, पो0–सोंस थाना चान्हों जिला–राँची जो दिनांक–08.10.25 को लगभग 10: बजे चान्हों रघुनाथपुर रोड, में अवस्थित अपने फर्निचर दुकान खोलने के उपरांत बिना बताये कहीं चले गये है। जो आजतक अपने घर वापस नहीं आये है। जिसके संबंध में चान्हों थाना सनहा संख्या–28/2025, दिनांक–08.10.2025, दर्ज कर खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त गुमशुदा पुरुष कहीं मिलता/दिखता है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

पुलिस उपाधीक्षक, खलारी, राँची। – 9431742777
थाना प्रभारी चान्हों राँची। – 9431706189

वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची।
PR.NO.364020 Police(25-26):D

झारखण्ड सरकार, पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गुमला।
(दूरभाष–06524–223092,(मो०)9431706376, E-mail Id- sp-gumla@jhpolice.gov.in)

(गुमशुदा की तलाश)

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि लापता पुरूष सुकरा उरॉव, उम्र–करीब 50 वर्ष, पिता–स्व0 चंदा उरॉव, ग्राम– करमटोली, पो0+थाना+जिला–गुमला, करीब 30 वर्ष पूर्व घर से बिना बताये कहीं निकल गए हैं। जिसके संबंध में अहतु थाना सन्हा सं0– 08/25 दिनांक 30.09.2025 दर्ज कर खोजबीन की जा रही है। जिसका रंग गोरा, उँचाई :– करीब 5 फीट 5 ईंच, शरीर पतला दुबला, बाल काला, भाषा सादरी एवं हिन्दी बोलता है। इनकी खोजबीन हेतु जनता का सहयोग अपेक्षित है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जन साधारण से अनुरोध है कि उपरोक्त लापता पुरूष के बारे में कोई पहचान/जानकारी मिलने पर पुलिस अधीक्षक का कार्यालय गुमला या निम्नांकित मो0 नं0 पर संपर्क कर इसकी सूचना दे सकते है।

1. पुलिस अधीक्षक गुमला – 9431706376
2. पुलिस उपाधीक्षक (मु0) गुमला। – 9471182113
3. अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी गुमला – 9431706202
4. थाना प्रभारी, अहतु – 8986604606

पुलिस अधीक्षक, गुमला।

POLICE HELPLINE (EMERGENCY DIAL)-112 | CHILD HELPLINE-1098
WOMEN HELPLINE-1091 | DOMESTIC ABUSE HELPLINE-181
CYBER CRIME HELPLINE-1930 | AMBULANCE SERVICE-108

PR.NO.364026 Police Wireless Headquarter(25-26):D

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग,
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, (LWE) कर्रा, खूँटी 835209
email : itikarra@gmail.com

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, (LWE) कर्रा, खूँटी में शैक्षणिक सत्र 2025–26–27 में नामांकन से संबंधित सूचना

निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, झारखण्ड, राँची के पत्रांक–1434, दिनांक–09.10.2025 के आलोक में NCVT से मान्यता प्राप्त खूँटी जिला के कर्रा प्रखण्ड में सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, (LWE) कर्रा, खूँटी के शैक्षणिक सत्र 2025–26–2027 में **आंशिक संशोधन करते हुए** विभिन्न व्यवसायों में नामांकन के लिए SPOT ROUND काउन्सिलिंग एवं नामांकन का कार्यक्रम निम्नवत है:–

Time Schedule for SPOT Round of online Counselling & Admission			
Sl. No	Activity	Date	
		Date	To
1	SPOT Round Online Admission (Seat Allotment) and Admission)	10.10.2025	17.10.2025

02.औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (LWE) कर्रा, खूँटी में संचालित व्यवसाय एवं रिक्त सीटें :–

क्र0 सं0	व्यवसाय का नाम	प्रशिक्षण अवधि	रिक्त सीटों की संख्या	शैक्षणिक योग्यता
1.	Electrician	02 वर्षीय	00	मैट्रिक पास
2.	Mechanic Consumer and Electronic Appliances	02 वर्षीय	07	मैट्रिक पास
3.	Mason (Building Constructor)	01 वर्षीय	11	आठवीं/मैट्रिक पास
4.	Physiotherapy Technician	01 वर्षीय	40	मैट्रिक पास
5.	Welder	01 वर्षीय	26	आठवीं/मैट्रिक पास

03. दिनांक–10.10.2025 से 17.10.2025 तक इस संस्थान में **SPOT Round Online Admission** लिया जाएगा। **SPOT Round Online Admission** के दौरान रिक्त सीटों में **First Come First Serve Basis** पर व्यवसाय/सीट का आवंटन कर नामांकन लिया जाएगा।

04. ऐसे अभ्यर्थी जिनका पूर्व में Portal में निबंधन नहीं हुआ है, इच्छुक अभ्यर्थी जो नामांकन के लिए सभी अहर्त्ता रखते हैं एवं वांछित दस्तावेज आपके पास उपलब्ध हैं तो **On the SPOT Online Registration** कर रिक्त सीटों में नामांकन लिया जाएगा।

नोटः–1. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (LWE) कर्रा, खूँटी में छात्रों के रहने के लिए छात्रवास की निशुल्क सुविधा उपलब्ध है।
2.नामांकन से संबंधित किसी भी समस्या के निदान हेतु संपर्क करें – 7488621005, 7632072319

प्रभारी प्राचार्य,औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, (LWE) कर्रा, खूँटी
PR 363966 (Labour Employment and Traning)25-26*D

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता.

गहन चोट से शब्दों का अभाव

राष्ट्र स्तब्ध है। देश की सर्वोच्च न्यायपीठ के मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंके जाने की घटना से जन गण मन आहत है। हालांकि मुख्य न्यायाधीश ने अब तक घटना पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। अब उन्होंने कहा है कि, ह्वजो कुछ हुआ उससे बहुत स्तब्ध था।ह्व मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा कि उनके सहयोगी न्यायमूर्ति उज्जवल भुइयां ने इससे भिन्न राय प्रकट की है। यह अच्छी बात है कि मुख्य न्यायाधीश ने इसे एक भुला दिया गया अध्याय बताया है, लेकिन देश में इस घटना पर अच्छी खासी बहस है। भुइयां ने कहा है, ह्वइस पर मेरी अपनी राय है। वह भारत के चीफ जस्टिस हैं। यह उच्चतर संस्था का अपमान है। राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित इस घटना ने कई दिशाओं में नया सोचने की आवश्यकता प्रकट की है। घटना की गंभीरता का पता इसी बात से चलता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी घटना की निंदा की है। प्रधानमंत्री ने मुख्य न्यायाधीश से व्यक्तिगत बात भी की। देश का बड़ा हिस्सा अवाक है। भारतीय राजव्यवस्था की तीन प्रमुख संस्थाएं हैं। विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका के मध्य शक्ति के पृथक्करण प्रत्यक्ष हैं। भारतीय न्यायपालिका की प्रतिष्ठा विश्वस्तरीय है। न्यायपालिका विधि की व्याख्या करती है। इसका खूबसूरत इतिहास है। खेदजनक है कि इसी गौरवशाली इतिहास में यह एक आत्महीन अध्याय जुड़ गया है। आगे आने वाली पीढ़ियां इस घटना के विवरण पढ़ेंगीं। लोकतंत्र में प्रत्येक व्यक्ति को अपना मत व्यक्त करने का अधिकार है और यह अधिकार संवैधानिक भी है। इस घटना के आरोपी अधिवक्ता राकेश किशोर को ऐसी विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं दी जा सकती। यहां प्रश्न अभिव्यक्ति की आजादी का है भी नहीं। यह सीधे आपराधिक कृत्य है।

आदर्श समाजच्में परस्पर सम्मान की प्रकृति स्वाभाविक आवश्यकता होती है। प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा, महिमा और निजता के सम्मान से समाज मजबूत होते हैं। भारतीय समाज में ऊंचे आदर्श और प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा, महिमा का सम्मान हजारों वर्षों की प्राचीन परंपरा है। महाभारत और रामायण जैसे महाकाव्यों में पक्ष और विपक्ष के संवाद आदर से भरे पूरे हैं। इस घटना से भारत के मन में एक गहन पीड़ा उठी है। हम अपने बच्चों को सिखाते हैं। उन्हें सभ्यता के संस्कार देते हैं। करणीय-अकरणीय की सूची बताते हैं। युवा मन 15-20 वर्ष से प्रारंभ होता है। परिवार और समाज में इस बात का प्रशिक्षण मिलता है कि अपशब्द से बचना चाहिए। अपशब्द उचित नहीं होते। विद्यालय और कॉलेज जैसे शिक्षण संस्थाएं संस्कारवान पीढ़ी तैयार करते हैं। समाज के सभी रिश्ते नाते प्रेम पूर्ण व्यवहार का ही प्रतिपादन करते हैं। अधिवक्ता की डिग्री सामान्य कागज का टुकड़ा नहीं है। यह किसी भी व्यक्ति को किसी भी अन्य व्यक्ति की तरफ से बोलने का अधिकार देती है। न्यायालय औपचारिक रूप में ही नहीं आदर के योग्य हैं, वे वास्तव में न्याय के मंडप, मंदिर हैं। इसलिए न्यायालय में अधिकृत रूप से प्रवेश करने वाले अधिवक्ता, न्यायमूर्ति आदर के पात्र होते हैं। सभी पद और दायित्व उत्तरदायित्व भी देते हैं। कर्तव्य पालन से समाज सुदृढ़ होते हैं। राष्ट्रजीवन का अधिष्ठान कर्तव्यवाची है। यहां जूता फेंकने वाले अधिवक्ता के बारे में कहा जा सकता है कि उनकी पढ़ाई और योग्यता के बावजूद कोई कमी है। ऐसी योग्यता के बावजूद उनके द्वारा यह कृत्य किया जाना घोर निंदा का विषय है। ऐसे अपराध की निंदा के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। अनेक सवाल हैं। समाज अपने बिगड़े सदस्य को ठीक करने के लिए निंदा, आलोचना का प्रयोग करता है। राष्ट्र राज्य अपने बिगड़ैल सदस्यों को दण्ड भी देते हैं। दण्ड व्यवस्था का उद्देश्य स्वतंत्र व स्वाभिमानी नागरिक तैयार करना होता है। कानून और समाज अपने साथ राष्ट्र का यश भी बढ़ाते हैं। यशस्वी राष्ट्र का जन गण मन वैभव से भरा रहता है। भारत भी वैभवशाली राष्ट्र है। सारी दुनिया भारत कच एक शक्तिशाली राष्ट्र मानती है। निंदा और आलोचना में कुछ निश्चित शब्दों द्वारा असहमति प्रकट की जाती है। लेकिन यह घटना बड़ी है। गहन आहत राष्ट्र के मन में निंदा और आलोचना के शब्द जल्दी जल्दी नहीं आते। इस चोट ने शब्दों का अभाव पैदा किया है। मूलभूत प्रश्न है कि इन्हें किन शब्दों में निंदित करें? किन शब्दों से आलोचना करें? आखिरकार भारत के राष्ट्र जीवन में कहां पर खोट है, जिसके कारण भाईचारा, परस्पर सम्मान, संस्थाओं का सम्मान और संवैधानिक संस्थाओं का भी सम्मान नहीं हो रहा है। क्या हमारे पास ऐसी नैतिक शक्ति है कि लोग ऐसे अपराधों के बारे में सोचना बंद कर दें। समाज बहुत कुछ देता है। उसके बदले में कुछ लेता भी है। अपने नागरिकों को नैतिकता और परस्पर आत्मीयता सिखाने की जिम्मेदारी समाज की है। समाज के उत्कृष्ट आदर्श का पालन करते रहना हम सबका कर्तव्य है। भारत का संविधान अनेक अधिकार देता है। संविधान के प्रति आस्था एक बड़ा मुद्दा है। शासन व्यवस्था संविधान से ही पैदा होती है। अपनी बात कहने के लिए हिंसा का रास्ता नहीं अपनाया जा सकता। दबी जुबान कहा सजा सकता है कि समाज में असंतोष है। परस्पर अविश्वास का वातावरण है। लोगों में निराशा है। कई बार व्यक्ति को लगता है कि उसकी सही बात भी कोई नहीं सुनता। उसे लगता है कि उसे अपमानित किया जा रहा है, लेकिन इन सब का अर्थ यह नहीं है कि अधिवक्ता जैसे दायित्वों पर होने के बावजूद कोई हिंसक रास्ता अपनाए। असहमति का आदर देश की प्राचीन परंपरा है। असहमत लोग बड़ी-बड़ी क्रांतियां करते हैं, लेकिन इस मामले में ऐसा कुछ लागू नहीं होता। समाज का सतत विकास हुआ है। एक समय अराजकता थी। लोग एक-दूसरे को हरा देने या खत्म करने के लिए आमादा थे। लोकतंत्र की पहली किरण के बारे में अथर्ववेद के ऋषि बताते हैं कि सबसे पहले परिवार संस्था बनी, फिर लगातार विकास करते हुए निर्णय की शक्ति सभा और और समितियों के हाथ आयी। सभा और समिति के लिए कहा गया है कि वे नरिष्टा हैं और समाज का कष्ट दूर करती हैं। न्यायपालिका की आलोचना स्वतंत्रता के बाद के प्रारंभिक वर्षों में कम थी। अब न्यायपालिका की आलोचना होती है। मैंने स्वयं कई आलेखों में न्यायपालिका की आलोचना की है। आलोचना से सुधार का रास्ता भी निकलता है। असहमति, आलोचना, निंदा और भर्त्सना समाज को शक्ति देते हैं। संप्रति न्यायपालिका का कार्य पूरी निष्ठा के साथ चल रहा है। बीच-बीच में असहमतियां भी आती हैं, लेकिन हर नागरिक को अपनी असहमति संवैधानिक दायरे में ही प्रकट करनी चाहिए। ताजा घटना केवल घटना ही नहीं है, यह घटना हमारे जीवन मूल्यों, संवैधानिक आदर्शों पर गहरी चोट है। विद्वान अधिवक्ता भी विधिक रास्ता छोड़कर असंवैधानिक रास्ते पर चलेंगे, तो देश का क्या होगा?

बड़ा मायने है पर्यटन में मध्य प्रदेश का वैश्विक रूप से हृदय जीत लेना

पिछड़े वर्ग से ताल्लुक रखने वाली इस अजीम शख्सियत का नाम है–हलधर नाग। वर्ष 2016 में भारत सरकार के चौथे सबसे बड़े नागरिक सम्मान 'पद्मश्री' से विभूषित हलधर नाग का निर्विकार भाव, शांत समुद्र और गंभीर श्रोता की तरह सबको सुनना और सारे आयोजनों में सामान्य जन की तरह सहभागिता, इस सेमिनार का सबसे विशेष पक्ष थी।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

मध्य प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह पर्यटन के क्षेत्र में अपनी सशक्त पहचान बनाई है, वह नीतियों और प्रचार अभियानों के साथ दृष्टि और निरंतरता का प्रतीक है। भारत के हृदय में स्थित यह प्रदेश आज देश-विदेश के यात्रियों के लिए भरोसे और अनुभव दोनों का केन्द्र बन गया है। महामारी के बाद जब वैश्विक पर्यटन उद्योग पुनर्जीवन की राह खोज रहा था, तब मध्यप्रदेश ने योजनाबद्ध ढंग से अपनी साख दोबारा कायम की। पर्यटन के हर आयाम में यहां नई हलचल दिख रही है। कभी विरासत और वन्यजीव के लिए पहचाने जाने वाला यह प्रदेश आज वेडिंग, एमआईसीई, फिल्म और ग्रामीण पर्यटन जैसे क्षेत्रों में देशव्यापी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। भोपाल में हुए एमआईसीई एवं वेडिंग टूरिज्म सम्मेलन में देशभर के विशेषज्ञों ने माना है कि मध्यप्रदेश आयोजनों का नया केन्द्र बनकर उभर रहा है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि राज्य भौगोलिक रूप से देश के मध्य में है, जहां सड़क, रेल और हवाई मार्ग से सुगमता है, साथ ही यहां के शहर आधुनिक सुविधाओं और प्राकृतिक सौंदर्य का संगम हैं। खजुराहो, महेश्वर, मांडू, पचमढ़ी और भोपाल जैसे शहर अब विवाह समारोहों और कॉर्पोरेट इवेंट्स के लिए नई पसंद बन रहे हैं। पारंपरिक स्थापत्य, शांत परिवेश और उत्कृष्ट आतिथ्य ने इन्हें विशिष्ट पहचान दी है। इस उभार के पीछे प्रशासनिक दक्षता और निजी क्षेत्र के साथ सरकार की साझेदारी की नई सोच है। आज जो सामने से दिखाई दे रहा है, वह यह है कि मध्यप्रदेश की कोशिश अब केवल आयोजन करवाने तक सीमित नहीं, हर आयोजन को सांस्कृतिक अनुभव में बदलने की है। वेडिंग टूरिज्म ने जहां स्थानीय कारीगरों, संगीतज्ञों और सेवा क्षेत्र को नए अवसर दिए हैं, वहीं यह संस्कृति और परंपरा के जीवंत प्रदर्शन का मंच भी बना है। मांडू के ऐतिहासिक महलों में संगीत की ध्वनियाँ और महेश्वर के घाटों पर नर्मदा की लहरों के बीच विवाह समारोह, प्रदेश के सांस्कृतिक आत्मविश्वास के नए प्रतीक हैं। पर्यटन विभाग का मानना है कि हर विवाह आयोजन राज्य की जीवंत संस्कृति का दर्पण है।

इसी तरह फिल्म पर्यटन भी मध्यप्रदेश की पहचान का मजबूत स्तंभ बन चुका है। भोपाल, महेश्वर, पचमढ़ी, जबलपुर और ग्वालियर जैसे शहर अब फिल्मकारों के प्रिय स्थल हैं। यहां की फिल्म नीति ने शूटिंग प्रक्रिया को सरल बनाया है और स्थानीय कलाकारों के लिए नए अवसर खोले हैं। फिल्मों और वेब सीरीज की शूटिंग से इन इलाकों में रोजगार बढ़ा है, साथ ही पर्यटन को नया जीवन मिला है। अपर मुख्य सचिव पर्यटन व संस्कृति एव प्रबंधन संचालक मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड शिवशेखर शुक्ला कहते भी है कि राज?य अब एक विविधतापूर्ण, बहुआयामी और ऑफबीट पर्यटन गंतव्य के रूप में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना रहा है। यहां विरासत, वन्यजीवन, रोमांच, संस्कृति, कला, हस्तशिल्प और पाक-परंपराओं का अनूठा संगम देखने को मिलता है। मध्यप्रदेश की सीमा से लगे अन्य राज्य जैसे छत्तीसगढ़ से राम वन पथ गमन सर्किट, महाराष्ट्र के साथ ज्योर्तिलिंग सर्किट जैसे संयुक्त कार्यों पर काम किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त टाइगर कॉरिडोर, फिल्म पर्यटन और ईको टूरिज्म के साझा विकास की संभावना भी तलाशी जा सकती है। ऐसे अनेक प्रयासों ने प्रदेश के टूरिज?म को आज एक नई गति दी है। यही कारण है कि राज्य ने अंतरराज्यीय सहयोग की दिशा में भी उल्लेखनीय पहल की है। राजस्थान, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के साथ साझा पर्यटन परिपथ विकसित किए जा रहे हैं, कहीं हेरिटेज सर्किट, कहीं वाइल्डलाइफ या जनजातीय सर्किट। इससे यात्रियों को विविध अनुभव मिलेंगे और क्षेत्रीय पर्यटन को गति मिलेगी। यह सहयोगी दृष्टिकोण दिखाता है कि मध्यप्रदेश पर्यटन को स्थानीय या सीमित अर्थों में नहीं, व्यापक भारतीय परिप्रेक्ष्य में देख रहा है। कहना होगा कि विरासत संरक्षण और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाना इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि है। राज्य में 498 राज्य संरक्षित, 290 एएसआई संरक्षित स्मारक और तीन यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं। इन धरोहरों को संरक्षित रखते हुए आधुनिक पर्यटन सुविधाओं का समावेश किया गया है। भोपाल और ग्वालियर का यूनेस्को क्रिएटिव सिटी नेटवर्क में शामिल होना इस दिशा में ऐतिहासिक कदम है। भोपाल अपने संग्रहालयों, झीलों और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए अंतरराष्ट्रीय पहचान बना रहा है, जबकि ग्वालियर अपनी संगीत परंपरा और स्थापत्य वैभव के साथ नए सिरे से पर्यटकों को अकर्षित कर रहा है। राज्य की नीतियों में सतत पर्यटन प्रमुख तत्व के रूप में उभरा है। ग्रामीण और ईको-टूरिज्म पर ध्यान देकर मध्यप्रदेश ने
पर्यटन को स्थानीय समुदायों से जोड़ा है। सतपुड़ा, कान्हा, बांधवगढ़ और पेंच जैसे वनक्षेत्रों में अब ईको-लॉज और कम्युनिटी-बेस्ड टूरिज्म के मॉडल फलफूल रहे हैं। गांवों में होम-स्टे की पहल से यात्रियों को स्थानीय जीवन, भोजन और संस्कृति का अनुभव मिलता है। यह पर्यटन का नया चेहरा है और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की दिशा में बढ़ता कदम भी है। महामारी के बाद जब वैश्विक पर्यटक दोबारा यात्रा के लिए तैयार हो रहे थे, तब मध्यप्रदेश ने उन्हें भरोसे का कारण दिया। बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा, स्वच्छ गंतव्य और सहज नीतियों ने इसे पुनः विश्वसनीय बनाया। एफआईसीसीआई जैसे राष्ट्रीय निकायों के साथ साझेदारी, फिल्म और एमआईसीई टूरिज्म पर केंद्रित प्रयासों ने निवेशकों और आयोजकों का विश्वास जीता है। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने हाल में कहा कि ह्वहमारा लक्ष्य केवल पर्यटक संख्या बढ़ाना नहीं, ऐसा अनुभव देना है जो यादों में बस जाए।ह्व यही दृष्टि राज्य के पर्यटन विकास का आधार बन गई है।

पर्यटन अब मध्य प्रदेश में यात्रा नहीं, भावनाओं और आत्मीयता का अनुभव है। महेश्वर के घाटों से उठती आरती की लौ, खजुराहो के मंदिरों की नक्काशी, पचमढ़ी के जंगलों की नमी और भोपाल की झीलों में उत?साह से आती लहरें, इन सबमें वह भरोसा झलकता है जो किसी भी गंतव्य को जीवंत बनाता है। यही वह भरोसा है जिसने मध्यप्रदेश को भारत का नहीं, विश्व पर्यटन का भी हृदय बना दिया है।

क्या ट्रंप नोबेल में मात के बाद भी शांति दूत बने रहेंगे?

नाम पदार्थ नहीं है। वह वस्तु या पदार्थ का भाषिक प्रतिनिधि है। नाम और रूप मिलाकर ज्ञान बनते हैं। इसके सामाजिक बोध और ज्ञान को साझी बनाने के लिए भाषा चाहिए। भाषा सुबोध चाहिए। सुसंस्कृत भी चाहिए। ऋषि कहते हैं, ह्लसूप से सत्तू स्वच्छ करने की तरह मेधावी जन भाषा गढ़ते हैं और मित्रगण आत्मीय भाव से समझ लेते हैं।

ऋतुपर्ण दवे

बड़बोले डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल पुरस्कार नहीं मिला। अपने मुंह मियां मिट्ठू बनने वाले ट्रंप हाथ मलते रह गए। शांति के नोबेल के लिए चंद देशों से खुद को नामित कराने वाले अड़ीबाज अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रप के मुकाबले बेहद कम चर्चित और दुनिया में अलग पहचान रखने वाली एक महिला को मिलना शायद ट्रंप को उनकी असलियत या औकात बताने को काफी है। वैसे भी हर पुरस्कार के लिए नियम होते हैं, लंबी फेहरिस्त होती है और कारण होते हैं। ट्रंप कहीं से भी इसमें फिट नहीं बैठते थे। लेकिन उन्हें अमेरिका का राष्ट्रपति होने का गुमान था। इसीलिए वो यह जानते हुए भी कि पुरस्कार के लिए नामित होने और औपचारिकताओं के पूरा करने की प्रक्रिया को भी शायद अपनी धौंस से धता बताने की जुगाड़ में थे, जो हो न सका। यह भी सच है कि शायद यह पहला मौका होगा जब पुरस्कार मिलने वाले के नाम की चर्चा के बजाए न मिलने वाले का नाम और उसका रंज सुर्खियों में है।

अब ट्रंप भले ही लगातार अपना दावा जता रहे हों और कहते फिर रहे हों कि कि अमेरिका में जिन भी लोगों को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया, वो ज्यादातर विवादित ही रहे। ट्रंप भला क्या कम विवादित हैं? अमेरिका के राष्ट्रपति बनाम वहां के बड़े बिजनेसमैन डोनाल्ड ट्रंप इस बार सत्ता में आने के साथ ही खुद को शांति का स्वयं-भू मसीहा बताते नहीं अघाते हैं। वो भारत-पाकिस्तान, रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमास जंग समेत आठ युद्धविराम या समझौते कराने का दावा करते हैं। जबकि दुनिया हकीकत जानती है कि इन सभी जगहों पर अभी कितनी शांति है? इस बार का नोबेल शांति पुरस्कार नॉर्वेनियन नोबेल कमेटी ने वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को देना तय किया। नोबेल समिति के अध्यक्ष यॉर्गन वाटने फ्रिडनेस ने मारिया कोरिना मचाडो को एक ऐसी प्रमुख और एकजुट करने वाली शख्सियत बताया जिन्होंने पहले गहरे विभाजित विपक्ष को एकजुट किया फिर स्वतंत्र चुनावों और प्रतिनिधि सरकार की मांग में समान आधार स्थापित करने का कठिन काम किया। अपने प्रयासों की कामियाबी के लिए मारिया कोरिना मचाडो को छिपकर रहने पर भी मजबूर होना पड़ा। लेकिन जान को गंभीर खतरों के बावजूद उन्होंने अपना देश नहीं छोड़ा और दुनिया भर में शांति के पक्षधर लाखों लोगों का प्रेरित किया। मारिया का मानना है कि जब सत्तावादी लोग सत्ता हथिया लेते हैं, तो स्वतंत्रता के ऐसे साहसी रक्षकों को पहचानना जरूरी है जो उठ खड़े हों और विरोध करें। लोकतंत्र उन्हीं लोगों पर निर्भर करता है जो चुप रहने के बजाए गंभीर जोखिमों के बावजूद आगे बढ़ते रहने का दुस्साहस करते हैं। यह याद दिलाता है कि स्वतंत्रता को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए, बल्कि हमेशा उसकी रक्षा करनी चाहिए। इसके लिए दृढ़ इच्छा शक्ति और शब्दों के सामर्थ्य का इस्तेमाल जरूरी है। ट्रम्प भले ही दुनिया का दारोगा कहलाएं लेकिन उन्हें मारिया के सिध्दांतों और धारणाओं से काफी कुछ सीखने की जरूरत है। यह सही है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में तो शुरूआत से ही शांति के नोबेल पुरस्कार का सपना संजोए बैठे थे। उनका हर मंच पर दावा कि उन्होंने ही आठ युद्ध रुकवाए हैं यही बताता है। पूर्व राष्ट्रपति ओबामा की आलोचना करना और कहना कि बिना किसी कारण के उन्हें नोबेल मिला मैंने तो 8-8 युद्ध रुकवाए अहंकार नहीं तो क्या है? लेकिन वो भूल गए कि उनके दावे नोबेल शांति पुरस्कार के नामांकन की समय-सीमा के बाद के हैं। ऐसे में संभव है कि यह उनकी चालाकी हो और अगले साल के अपने दावे को पुख्ता करने की रणनीति हो! दुनिया जानती है कि ट्रम्प कहते कुछ हैं, करते कुछ हैं। कहा तो यह तक जाने लगा है कि ट्रंप को यह भी नहीं पता अगले पल वो क्या कर बैठें, बहरहाल यह उनका अपना मामला है वो जाने। हां, नोबेल कमेटी की निना ग्रेगर ने यह जरूर कहा कि नोबेल के फैसले पर गाजा सीजफायर का असर नहीं होगा, लेकिन अगर यह शांति स्थायी रही, तो अगले साल ट्रंप की दावेदारी मजबूत हो सकती है। वहीं, नोबेल कमेटी के अध्यक्ष जोएर्गन वाटने फ्राइडनेस ने कहा कि पुरस्कार पर फैसला काम के आधार पर किया जाता है। अब ऐसा भी नहीं है कि अमेरिका जैसे देश सशक्त देश के राष्ट्रपति को इतना भी भान न हो? अब एक पुराना और चौंकाने वाला वाकया सुर्खियों में है। जब एडॉल्फ हिटलर को शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करने की कोशिश हुई। इससे हर कोई असहज हुआ होगा। उनके क्रूर होने के किस्से-कहानियां इतिहास की किताबों में दर्ज है। क्या उनका नाम कभी प्रस्तावित हुआ? दरअसल एक तीखी व्यंग्यात्मक आलोचना के रूप में जरूर उनका प्रस्ताव स्वीडिश संसद के एक सदस्य, एरिक ब्रांट ने 27 जनवरी 1939 को नोबेल समिति को भेजा। ब्रांट एक समाजिक-लोकतांत्रिक राजनेता थे। यह उनका स्वीडिश राजनीतिज्ञों की प्रवृत्ति पर कटाक्ष और व्यंग था जो तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री नेविल चेम्बरलेन की शांति-नीति की तारीफ करते नहीं अघाते थे। जब चेम्बरलेन की शांति के लिए खूब
स्तुति हो सकती है, तो हिटलर को भी यूरोप में युद्ध के खतरों लिए नामांकित कर दीजिए। लेकिन सार्वजनिक प्रतिक्रियाओं, आलोचनाओं और गलतफहमियों से घिरता देख ब्रांट ने अपना नामांकन औपचारिक रूप से वापस भी ले लिया। नोबेल पुरस्कार की स्थापना बिजनेसमैन, एंटरप्रेन्योआर और वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल की मृत्यु के बाद हुई जिन्होंने अपनी ज्यादातर संपत्ति कई क्षेत्रों में पुरस्कारों के लिए छोड़ी थी। सन-1895 में अपनी वसीयत में कहा था कि ऐसे पुरस्कार उन्हें दिया जाना चाहिए जिन्होंने पिछले साल मानव जाति के लिए सबसे बड़ा उपकार किया हो। शुरूआत 1901 में हुई जो जारी है। केवल प्रथम विश्व युद्ध के दौरान 1914 से 1918 तक और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 1939 से 1945 में यह नहीं दिए गए। पुरस्कार भौतिकी, रसायन विज्ञान, चिकित्सा या शरीर क्रिया विज्ञान, साहित्य, शांति और आर्थिक विज्ञान क्षेत्र में दिए जाते हैं। शांति पुरस्कार ऐसा अकेला है जिसका फैसला नॉर्वे की संसद की तरफ से चुने गए पांच सदस्यों की एक समिति की करती है। समिति ओस्लो में है पुरुस्कार वहीं देते हैं। इसमें एक डिप्लोमा, सोने का मेडल और 11 मिलियन स्वीडिश मुद्रा (10.36 करोड़ रुपये) दी जाती है। नियमानुसार पुरस्कार देने और न देने की वजह अगले 50 साल तक नहीं बताई जाती है। काश ट्रंप इतना इंतजार कर पाते? फिलहाल यह देखना होगा कि तिलमिलाए ट्रंप आगे भी शांति दूत बने रहेंगे या दुनिया की शांति हरेंगे, क्योंकि उनकी खीझ, खिसियाहट, टैरिफ वार और बॉडी लैंग्वेज कुछ और ही इशारा कर रही है?

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

धनतेरस पर मां लक्ष्मी का पूजन घर में लाता है वैभव

कर्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धन की देवी के उत्सव का प्रारंभ होने के कारण इस दिन को धनतेरस के नाम से जाना जाता है। धनतेरस को धन त्रयोदशी व धन्वन्तरी त्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस पर पांच देवताओं, गणेश जी, मां लक्ष्मी, ब्रह्मा,विष्णु और महेश की पूजा होती है। ऐसी मान्यता है कि समुद्र मंथन के समय कलश के साथ माता लक्ष्मी का अवतरण हुआ उसी के प्रतीक के रूप में ऐश्वर्य वृद्धि, सौभाग्य वृद्धि के लिए बर्तन खरीदने की परम्परा शुरू हुई।

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर-जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि औषधियों के जनक भगवान धनवंतरी की जयंती यानी धनतेरस का पर्व इस बार 18 अक्टूबर को मनाया जा रहा है। कहा जाता है कि समुद्र मंथन के दौरान भगवान धनवंतरी और मां लक्ष्मी का जन्म हुआ था, यही वजह है कि धनतेरस को भगवान धनवंतरी और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। भारतीय कैलेंडर के अनुसार कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धन की देवी के उत्सव का प्रारंभ होने के कारण इस दिन को धनतेरस के नाम से जाना जाता है। धनतेरस को धन त्रयोदशी व धन्वन्तरी त्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस दिवाली के दो दिन पहले मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि समुद्र मंथन के समय कलश के साथ माता लक्ष्मी का अवतरण हुआ उसी के प्रतीक के रूप में ऐश्वर्य वृद्धि, सौभाग्य वृद्धि के लिए बर्तन खरीदने की परम्परा शुरू हुई। माना जाता है कि इस दिन कोई नया सामान खरीदने से आपका धन 13 गुना बढ़ जाता है।

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि धनतेरस जिसे धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती भी कहते हैं पांच दिवसीय दीपावली का पहला दिन होता है। धनतेरस के दिन से दिवाली का त्योहार प्रारंभ हो जाता है। मान्यता है इस तिथि पर आयुर्वेद के जनक भगवान धन्वंतरि समुद्र मंथन से अमृत कलश लेकर प्रगट हो हुए थे। इसी कारण से हर वर्ष धनतेरस पर बर्तन खरीदने की परंपरा निभाई जाती है। कहा जाता है जो भी व्यक्ति धनतेरस के दिन सोने-चांदी, बर्तन, जमीन-जायजाद की शुभ खरीदारी करता है उसमें तेरह गुना की बढ़ोत्तरी होती है। चिकित्सक अमृतधारी भगवान धन्वन्तरि की पूजा करेंगे। इसी दिन से देवता यमराज के लिए दीपदान से दीप जलाने की शुरूआत होगी और पांच दिनों तक जलाए जाएंगे। इस दिन खरीदे गए सोने या चांदी के धातुमय पात्र अक्षय सुख देते हैं। लोग नए बर्तन या दूसरे नए सामान खरीदेंगे। त्रयोदशी तिथि समाप्तह्न 19 अक्तूबर 2025 को दोपहर 1:51बजे तक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि धनतेरस पर यमदीप भी प्रज्वलित किया जाएगा। रोग,शोक,भय, दुर्घटना, मृत्यु से बचने के लिए धनतेरस की शाम घर के बाहर यमदीप जलाने की परंपरा है। इसी दिन धनवंतरी ने

सेहत

मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर सकते हैं ये इंडियन फूड्स, आज से ही खाना कर दें शुरू'

आज के समय में अधिकतर लोग अपने बढ़े हुए वजन से परेशान रहते हैं और उसे कम करने के लिए हर संभव उपाय आजमाना चाहते हैं। लेकिन फिर भी मन में निराशा ही पैदा होती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि आपका मेटाबॉलिज्म स्लो काम करता है। हो सकता है कि आपकी वजन कम करने की कोशिश भी इसलिए नाकाम हो गई हो। हालांकि, ऐसे में आपको निराश होने की जरूरत नहीं है और ना ही महंगे सप्लीमेंट खरीदकर पैसे खर्च करने की जरूरत है। अगर आप चाहें तो घर पर ही अपने मेटाबॉलिज्म को आसानी से बूस्ट कर सकती हैं। इसके लिए बस आपको कुछ फूड्स को अपनी डाइट का हिस्सा बनाना होगा। जी हां, अपनी सेहत से जुड़ी समस्याओं को खाने की मदद से ही काफी हद तक ठीक कर सकती हैं। ऐसे कई फूड्स हैं, जो डाइजेशन को बेहतर बनाते हैं और मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करते हैं। तो अब बस आप अपने रोज के खाने में थोड़े स्मार्ट करें और आपको फर्क खुद महसूस होगा। तो चलिए जानते हैं ऐसे ही कुछ इंडियन फूड्स के बारे में-मेटाबॉलिज्म बूस्ट करने में अदरक काफी मददगार है। अदरक शरीर में थर्मोजेनेसिस बढ़ाता है, मतलब यह हल्का सा शरीर का तापमान बढ़ाकर कैलोरी बर्न करने की प्रक्रिया को तेज करता है। साथ ही, ये पाचन को भी बेहतर करता है। आप अगर चाहें तो सुबह या शाम बहुत कम चीनी वाली अदरक की चाय पिएं या फिर इसे कद्दूकस कर-के सब्जी, सूप या दाल में डालें। अगर मेटाबॉलिज्म बूस्ट करने की बात हो तो मिर्च भी किसी से कम नहीं है। इसमें मौजूद कैप्सेसिन शरीर की गर्मी बढ़ाकर मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है और फैट को जलाने में मदद करता है। यानी शरीर ठंडा होने के लिए ज्यादा कैलोरी खर्च करता है। आप दाल, सब्जी या सूप में हल्के से मिर्च फ्लेक्स छिड़कें, लेकिन अगर एसिडिटी रहती है तो इसका ज्यादा इस्तेमाल करने से बचें।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

मौलानाओं ने दीन-ए-इस्लाम की शिक्षाओं पर डाली रोशनी

इस्लाम हमें इंसानियत और भाईचारे का पैगाम देता है : मौलाना

संवाददाता

साहिबगंज /उधवा : प्रखंड अंतर्गत दक्षिण पलाशगाछी पंचायत के प्राणपुर नया बाजार स्थित गफर अली हाजी के बागान में आयोजित दो दिवसीय ऑल इंडिया सुन्नी इज्तिमा कार्यक्रम का सोमवार को समापन हो गया। इस इज्तिमा में देश और विदेश के प्रसिद्ध मौलानाओं ने शिरकत की और दीन-ए-इस्लाम की शिक्षाओं पर रोशनी डाली। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में इंग्लैंड से तशरीफ लाए मोबाल्लिग-ए-इस्लाम हजरत मौलाना शेख आजम कादरी अजहरी उपस्थित हुए। उनके अलावा पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग से हजरत

मौलाना मोहिबुल इस्लाम कादरी, मुर्शिदाबाद से हजरत मुफ्ती जुबैर अहमद और हजरत मौलाना अशरफ रजा साहब समेत कई अन्य मौलानाओं ने भी शिरकत की। इज्तिमा में महिलाओं के लिए भी अलग से व्यवस्था की गई थी। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोग उपस्थित हुए।इज्तिमा में मौलानाओं ने मुख्य रूप से दीनी तालीम के महत्व को लेकर लोगों को जागरूक किया। इस दौरान हजरत मौलाना शेख आजम कादरी अजहरी ने अपने संबोधन में कहा कि आज के दौर में हमें दुनियावी तालीम के साथ-साथ दीनी तालीम को भी अहमियत देनी होगी। कुरान और हदीस की रोशनी में अपनी जिंदगी गुजारना ही सच्चा ईमान है। अपने बच्चों को सही और बुनियादी इस्लामिक शिक्षा जरूर दें ताकि वे अच्छे इंसान और ज़िम्मेदार नागरिक बन सकें। हजरत मौलाना मोहिबुल इस्लाम कादरी ने कहा कि इस्लाम हमें इंसानियत और भाईचारे का पैगाम देता है। हमें सभी धर्मों का सम्मान करना चाहिए और समाज में प्रेम व शांति बनाए रखने में योगदान देना चाहिए। सच्चा मुसलमान वही है जो अपने पड़ोसी के हक का ख्याल रखे। हजरत मुफ्ती जुबैर अहमद ने कहा की अल्लाह के हुक्मों और पैगम्बर साहब की सुन्नतों पर अमल करने की ताकीद की। उन्होंने कहा नमाज कायम करना, जकात देना और नेकी के रास्ते पर चलना ही हमारी जिंदगी का मकसद होना चाहिए। हमें फिजूलखर्ची से बचना चाहिए और अपनी कमाई को हलाल तरीके से हासिल करना चाहिए।इस विशाल कार्यक्रम को सफल बनाने में कमेटी के सदस्यों में रबीउल इस्लाम, मौलाना कौसर अली, रेजाउल शेख, मौलाना इस्माइल शेख, मोजम शेख, कलम शेख, सफीकुल शेख, मासूम आलम, रेलिम शेख और अब्दुल करीम आदि ने मुख्य भूमिका निभाई।

न्यूज IN ब्रीफ

कोडरमा जिला जूनियर टैलेंट सर्च क्रिकेट टूर्नामेंट कल से

कोडरमा/मेट्रो रेज संवाददाता : जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में सत्र 25 - 26 के लिए घरेलू टूनार्मेंट की शुरूआत 15अक्टूबर से झुमरी तिलैया स्थित सी एच हाई स्कूल मैदान में प्रारंभ हो रही है। कोडरमा जिला जूनियर टैलेंट सर्च क्रिकेट टूनार्मेंट के तहत जिला क्रिकेट एसोसिएशन में स्वतंत्र रूप से अंडर 16 और अंडर 14 में रजिस्ट्रेशन कराने वाले खिलाड़ियों को खेलने का मौका मिल रहा है। इसके अलावे जल्द ही आयोजित होने वाले इंटर स्कूल क्रिकेट टूनार्मेंट में भी अंडर 16 अंडर 14 के खिलाड़ी खेलेंगे और दोनों टूनार्मेंट में बेहतर खेल दिखाने वाले खिलाड़ियों को मेरिट के आधार पर कैंप में शामिल होने का मौका मिलेगा। यह टूनार्मेंट 40-40 ओवर का खेला जायेगा। बीसीसीआई तथा जेएससीए के नियम के तहत ही यह टूनार्मेंट आयोजित कराए जा रहे हैं । टूनार्मेंट सुबह 9 बजे से शुरू होगा, इसके लिए खिलाड़ी 8 बजे ही रिपोर्टिंग करेंगे। खिलाड़ियों को कहा गया है कि की मैच में अंपायर का निर्णय अंतिम होगा एवं खिलाड़ियों को अनुशासन का भी पालन करना अनिवार्य है। उक्त आशय की जानकारी केडीसीए के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा और सचिव दिनेश सिंह ने दी।

फुटबॉल में बोरियो की टीम से प्रथम स्थान कॉलेज हॉस्टल की टीम ने की हासिल

साहिबगंज : युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय भारत सरकार ,माय भारत मेरा युवा भारत साहिबगंज के तत्वावधान में प्रखंड स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता बोरियो और साहिबगंज प्रखंड में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि दामिन भिट्ठा पंचायत के पंचायत समिति सदस्य सुरेश पहाड़िया,के सदस्य अमित मालतो,ग्राम प्रधान प्रांसिसी टुडू और जॉर्ज मुर्मू उपस्थित रहे। प्रखंड स्तरीय प्रतियोगिता में फुटबॉल,लंबी कूद और पुरुष का 400 मीटर दौड़ का प्रतियोगिता कराया गया ।अतिथियों के द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर फुटबॉल की शुरूआत किया गया । जिसमें साहिबगंज प्रखंड के तरफ से मारीकुट्टी ,सिमरिया, अमजोरा और सुंदरा गांव के खिलाड़ियों ने भाग लिया और बोरियो प्रखंड से तेतरिया,असबोना,चंपा पहाड़ और कॉलेज हॉस्टल के टीम ने भाग लिया।फुटबॉल में साहिबगंज की टीम से प्रथम स्थान मारीकुट्टी स्पॉटिंग क्लब हासिल किया जबकि जूनियर स्पॉटिंग क्लब की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।फुटबॉल में बोरियो की टीम से प्रथम स्थान कॉलेज हॉस्टल की टीम ने हासिल किया जबकि रिमझिम स्पॉटिंग क्लब दुर्गा टोला की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।400 मीटर दौड़ पुरुष बोरियो प्रखंड में संजय हेंब्रम प्रथम ,शाम मुर्मू द्वितीय और बेंजामिन मुर्मू तृतीय स्थान प्राप्त किया ।इस कार्यक्रम को सफल बनाने में माई भारत के स्वयंसेवक चंदन कुमार और कौशर अंसारी ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

दोपहिया और चारपहिया वाहनों के चालान काटे गए

साहिबगंज :जिला परिवहन पदाधिकारी के निर्देश पर पर्व को देखते हुए सोमवार को नगर थाना क्षेत्र के गांधी चौक पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई ट्रैफिक नियमों के पालन को सुनिश्चित करने और सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई।जांच के दौरान बगैर हेलमेट, कागजात और ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चलाने वाले चालकों पर कड़ी कार्रवाई की गई।कई दोपहिया और चारपहिया वाहनों के चालान काटे गए, वहीं कुछ वाहन को जब्त भी किए गए। परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि यह अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगा ताकि सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके और आम जनता को सुरक्षित यात्रा का माहौल मिल सके।मौके पर परिवहन विभाग के कर्मी एवं नगर थाना के पुलिस बल मौजूद थे।

38 वर्षीय युवक गंगा में डूबा हुए लापता

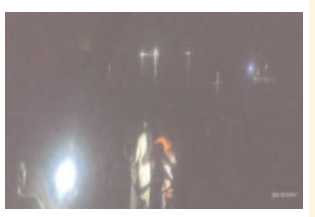

साहिबगंज :गंगा स्नान करने गए 38 वर्षीय युवक गंगा में डूबे, हुए लापता जिले के जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत चानन गांव निवासी भोला मंडल 38 वर्षीय पिता जगदीश मंडल रोज की तरह आज भी मजदूरी कर घर आया। इसके बाद वह गंगा स्नान करने गया। प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार भोला मंडल जैसे ही गंगा में गया अचानक गहरे पानी में चला गया जिससे कि वह गंगा में डूब गया और लापता हो गया।परिवार के लोगों ने काफी खोजबीन की लेकिन पता नहीं चल पाया।बता दे की भोला मंडल का तीन बेटी और दो बेटा है।वहीं उनकी पत्नी और बच्चे का रो-रो कर बुरा हाल है खबर लिखे जाने तक भोला मंडल का कोई पता नहीं चल पाया।

मुख्यमंत्री पशुधन योजना से पशुपालकों के बीच गाय का वितरण

साहिबगंज :जिला गव्य विकास कार्यालय में मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत चयनित लाभुकों ले बीच दुधारू गाय का वितरण किया गया।डीएएचओ ने बरहरवा प्रखंड के महिला लाभुक सावित्री देवी,गीता देवी, बिलकिश खातून,मनोरमा देवी व इशरत जहां में बीच एक-एक गाय का वितरण किया।डीएएचओ डॉ राम सरीक प्रसाद ने पशुपालकों को पशुधन का ख्याल रखने एवं इससे स्वरोजगार का लाभ लेने की बात कही।

डीवीसी केटीपीएस में व्यावसायिक स्वास्थ्य केंद्र का शुभारंभ

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा। डीवीसी कोडरमा ताप विद्युत स्टेशन (केटीपीएस) के अस्पताल/डिस्पेंसरी में व्यावसायिक स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक एवं प्रमुख मनोज कुमार ठाकुर ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ महाप्रबंधक (एएमएस) मानस कुमार मोंडल, महाप्रबंधक (फेज-क्क) मानस नस्कर, बीएचईएल और डीवीसी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। नव उद्घाटित केंद्र का संचालन बीएचईएल द्वारा किया जाएगा, जहां डॉक्टर की निःशुल्क परामर्श सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। यह पहल कर्मचारियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और कार्यस्थल कल्याण को सुदृढ़ करने की दिशा में डीवीसी का सराहनीय कदम है। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. ए. एम. मिश्रा, उप महाप्रबंधक (स्वास्थ्य सेवाएं) ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डीवीसी केटीपीएस टीम से नवीन कुमार ने प्रस्तुत किया।

दीपावली पर बीरू फर्नीचर में बड़ा धमाका

10 हजार की खरीद पर 4 हजार का शानदार गिफ्ट ऑफर

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : झुमरी तिलैया ब्लॉक रोड स्थित बीरू फर्नीचर में इस धनतेरस एवं दीपावली पर ग्राहकों के लिए जबरदस्त ऑफर का ऐलान किया गया है। त्योहारों के इस खास मौके पर दुकान में चल रहा है दीवाली धमाका ऑफर जिसमें ग्राहक सिर्फ 10,000 की खरीदारी पर 4,000 मूल्य का आकर्षक उपहार बिल्कुल मुफ्त पा सकते हैं। बीरू फर्नीचर, जो कि क्षेत्र में अपनी हाई क्वालिटी प्रोडक्ट्स, मॉडर्न डिजाइनों और

उचित मूल्य के लिए जाना जाता है, इस बार ग्राहकों को खुशियों का अतिरिक्त तोहफा दे रहा है। यहां पर सोफा सेट, प्रीमियम अलमीरा, डाइनिंग टेबल, बेड, वार्डरोब, ऑफिस फर्नीचर से लेकर हर तरह के लक्जरी और बजट फ्रेंडली फर्नीचर एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। दुकान संचालक का कहना है कि दीपावली और धनतेरस के मौके पर लोगों को बेहतरीन ऑफर देकर उनके चेहरे पर मुस्कान लाना ही हमारा उद्देश्य है। ग्राहकों की भीड़ को देखते हुए विशेष छूट और गिफ्ट स्कीम सीमित समय के लिए रखी गई है। तो इस धनतेरस और दीपावली पर अपने घर को नया रूप दें और खुशियां दोगुनी करें बीरू फर्नीचर के साथ।

ग्रामीणों ने चंदा उठाकर श्रमदान कर कच्ची सड़क बना डाला

संवाददाता

साहिबगंज/बोरियो : प्रखंड के बड़ा रक्सो पंचायत के डिगरा पहाड़ में सरकार ने सड़क की समस्या दूर नहीं सकी तो मजबूरन ग्रामीणों ने चंदा उठाकर श्रमदान कर कच्ची सड़क बना डाला।ग्रामीणों ने खुद श्रमदान कर पगडंडी को चलने लायक बनाया। सैकड़ों ग्रामीण एवं बालक बालिकाओं ने कुदाल,गैता लेकर जामकुंदर आरईओ रोड से डिगरा रामा टोला तक 2 किलोमीटर तक रास्ते को बनाने के लिए एक सप्ताह से कार्य करने में जुटे है।इस पगडंडी पर बड़े बड़े गड्ढे कीचड़मय व जलजमाव हो जाती है जिससे आने जाने काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ता है ग्रामीणों ने पहाड़ से पत्थर मिट्टी लाकर गड्ढों में डाल डालकर चलने लायक बनाया।वार्ड सदस्य

रॉबेन पहाड़िया,रामा पहाड़िया, राजेश पहाड़िया,मोकरी पहाड़िन,सुरजी पहाड़िन,मैसी पहाड़िन,बुदनी पहाड़िन, गंगू पहाड़िया ने बताया कि सड़क नहीं रहने के कारण काफी परेशानी होती है गांव वालों ने चंदा उठाकर एवं श्रमदान कर कच्ची सड़क बनाने के कार्य में जुटे है।मरीजों को अस्पताल ले जाने एवं गर्भवती प्रसव पीड़ा उत्पन्न होने पर महिलाओं को खटिया पर टांग कर मुख्य सड़क तक पहुंचाया जाता है।बरसात के मौसम में यह कच्ची सड़क और भी भयावह और पानी व कीचड़मय में तब्दील हो जाती है इससे लोगों को पैदल भी चलना मुश्किल हो जाता है।सड़क बनाने के लिए ग्रामीणों ने स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ब्लॉक चक्कर लगा चुके है लेकिन इनकी समस्या को कोई दूर नहीं कर सका।ग्रामीणों ने जामकुंदर आरईओ रोड से डीगरा रामा टोला तक पक्की सड़क की मांग की।

डीवीसी के सीवीओ सुदीप्त आचार्य का दो दिवसीय केटीपीएस दौरा

पारदर्शिता, गुणवत्ता और सुरक्षा पर दिया जोर

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : दामोदर वैली कॉर्पोरेशन (डीवीसी) के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) सुदीप्त आचार्य, आईटीएस ने डीवीसी कोडरमा ताप विद्युत स्टेशन (डळढर) का दो दिवसीय दौरा किया। उनके साथ वरिष्ठ महाप्रबंधक (विजिलेंस) एस.के. सिन्हा महापात्र और उप महाप्रबंधक (विजिलेंस) सुतनु भी मौजूद रहे। आगमन पर, डीवीसी केटीपीएस के मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रमुख मनोज कुमार ठाकुर ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस दौरान वरिष्ठ महाप्रबंधक श्री मानस कुमार मोंडल, महाप्रबंधक (ओ & एम) अमन ज्योति, महाप्रबंधक (फेज-क्क) मानस नस्कर तथा उप महाप्रबंधक (एचआर) सुखमय नायक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। सीवीओ ने केटीपीएस फेज-क्क के अंतर्गत ईएसपी, बॉयलर साइट, सिविल क्वालिटी लैब एवं टर्बाइन जनरेटर क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों और पारदर्शिता की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के उपरांत उन्होंने अधिकारियों और इंजीनियरों को कार्य के प्रति निष्ठा, ईमानदारी और सतर्कता की भावना से कार्य करने का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसे डीवीसी केटीपीएस टीम के नवीन कुमार ने प्रस्तुत किया।

संचालित एग्री क्लीनिक सेंटर में किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण

संवाददाता

साहिबगंज:कृषक उपकार लाइवलीहुड अफ्लिमेंट फाउंडेशन के द्वारा संचालित एग्री क्लीनिक सेंटर, राजमहल के कृषि समन्वयक निकेश कुमार द्वारा आज किसानों के बीच मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के कई किसान उपस्थित रहे, जिनमें गोपाल घोष, ममता रॉय, गीता रॉय, मुबारक हुसैन सहित अन्य कृषक शामिल थे। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को उनकी भूमि की उर्वरता और पोषक तत्वों की स्थिति के बारे में सटीक जानकारी प्रदान करना था ताकि वे वैज्ञानिक तरीके से खेती कर सकें और उत्पादन में वृद्धि कर सकें।

मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से वे

अपनी मिट्टी की गुणवत्ता का आकलन कर सकते हैं और आवश्यक पोषक तत्वों की कमी को दूर करने के लिए उचित कदम उठा सकते हैं।मिट्टी की गुणवत्ता का आकलनः किसान अपनी मिट्टी में मौजूद पोषक तत्वों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।उर्वरकों का संतुलित उपयोगः मिट्टी की रिपोर्ट के आधार पर किसान सही मात्रा में उर्वरकों का उपयोग कर सकते हैं, जिससे उत्पादन बढ़ता है और मिट्टी की सेहत बनी रहती है। फसलों की उत्पादकता में वृद्धिः संतुलित पोषण से फसलों की गुणवत्ता और मात्रा दोनों में सुधार होता है।

मिट्टी की सेहत में सुधारः किसानों को मिट्टी सुधार के उपायों की जानकारी देकर दीर्घकालिक उर्वरता सुनिश्चित की जाती है।कृषकों में जागरूकताः यह योजना किसानों में वैज्ञानिक खेती और मिट्टी संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहायक है।कार्यक्रम के अंत में कृषि समन्वयक निकेश कुमार ने किसानों से अपील की कि वे नियमित रूप से अपनी मिट्टी की जांच कराएं और मृदा स्वास्थ्य कार्ड में दी गई सिफारिशों के अनुसार खेती करें, जिससे वे कम लागत में अधिक उपज प्राप्त कर सकें।इस अवसर पर उपस्थित किसानों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड के माध्यम से उन्हें अपनी भूमि के पोषण स्तर की सही जानकारी मिल रही है जो उनके लिए अत्यंत उपयोगी है।

रेलवे स्टेशन से संदेह के आधार पर युवक युवती बरामद

संवाददाता

साहिबगंज/बरहड़वाःआरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार हमराह कांस्टेबल अनिल कुमार शाह और हेड कांस्टेबल कुमार प्रयंकर को साथ लेकर बरहड़वा रेलवे स्टेशन पर रोजाना की तरह अवांछित तत्वों के विरुद्ध प्लेटफार्म को चेक कर रहा था तो एक लड़की जो बुरके में थी और एक लड़का प्लेटफार्म पर इधर उधर घूम रहे थे।संदेह होने पर उनके पास जाकर पूछताछ किया गया तो पहले तो वे घबड़ा गए और लड़का इधर उधर की बाते बनाने लगा और किंतु पूछे गए प्रश्नों का उत्तर संतोषजन नहीं दे पाया।आगे कड़ाई से पूछताछ किया गया तो लड़की ने अपना नाम बताया और लड़के ने अपना नाम कोलकाता का रहने वाला बताया। संदेहास्पद होने के कारण दोनों को आरपीएफ पोस्ट बड़हरवा लाया गया और एक संस्थान बरहरवा की आराधना मंडल को भी बुलाया गया। आगे लड़की से पूछताछ करने

पर,लड़की ने बताया कि वह अपने पिता -माता के साथ गुड़गांव में एक किराए के मकान में रहती है और उसके पिता होटल में खाना बनाते है और माता घरों में पूछा झाड़ू का काम करती है।उसी अपार्टमेंट में सामने यह लड़का रहता है और एक महीने से दोनों कॉन्टैक्ट में थे।उसके बाद लड़के ने उसे शादी का प्रलोभन दिया और दिल्ली ले आया और वहां अपने दोस्त के पास रुके जहां उसे बुरका खरीदा और उसे पहना दिया और वही रेशमा खातून नाम से फर्जी आधार कार्ड बनाया।दिल्ली में ही उसके फोन पर जब उसके मामा और अन्य परिवार द्वारा कॉल किया जा रहा था तब उसे पता चला कि जिस लड़के साथ वह भागी है वह मुस्लिम है।गुरुवार रात साहेल उसे बुर्का पहनाकर दिल्ली स्टेशन लेकर आया।उसने पहले कटिहार जाने का टिकट कटाया था।लेकिन बाद में झारखंड होकर असम जानेवाली ब्रह्मपुत्र मेल में सवार हो गया।जबकि साहेल ने उसे मुंबई चलने को कहा ताकि उन दोनों को कोई खोज नहीं सके।इसके बाद उसे साहेल की मंशा पर संदेह हुआ और शुक्रवार रात बरहड़वा स्टेशन पर ब्रह्मपुत्र मेल के रुकते ही वह ट्रेन से उतर गई।इसके बाद साहेल भी उसके पीछे-पीछे मान-मनौव्वल के लिए उतर गया।दोनों में चल रही खींचतान और मान-मनौवल को देख आरपीएफ के जवानों को संदेह हुआ।पूछताछ में लड़की ने पूरी बात बता दी।इसके बाद दोनों को साथ लेकर लड़की के माता-पिता को फोन से सूचना दी गई। और एक संस्थान बरहरवा की आराधना मंडल की निगरानी में रखा गया।किशोरी के माता-पिता और साथ में गुरुग्राम पुलिस से सहायक उप निरीक्षक सतीश कुमार और स्टाफ के साथ आरपीएफ पोस्ट बड़हरवा बरहड़वा पहुंके और एफआईआर की कॉपी और लिखित लेटर देने के बाद लड़की को उनके हवाले कर दिया गया,जबकि आरोपित युवक को पुलिस को सौंप दिया गया।

दे दे प्यार दे 2 की रिलीज डेट हुई फाइनल

रकुल प्रीत सिंह ने सोशल मीडिया पर की घोषणा

फिल्म दे दे प्यार दे ने साल 2019 में लोगों के दिलों में खास जगह बनाई थी। यह एक ऐसी कहानी थी जिसमें उम्र के फासले और प्यार की ताकत को खूबसूरती से दिखाया गया था। अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह की जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया। वहीं तब्बू ने भी अपनी भूमिका से फिल्म में चार चांद लगाए। अब, इस लोकप्रिय फिल्म का दूसरा पार्ट, यानी दे दे प्यार दे 2, जल्दी ही बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाला है। इस फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा खुद रकुल प्रीत सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किया। रकुल प्रीत सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास मोशन पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा, प्यार का सीक्वल है क्रूशियल। क्या आशीष को मिलेगा आयशा के पेरेंट्स का अप्रूवल? दे दे प्यार दे 2 सिनेमाघरों में 14 नवंबर को रिलीज होगी। यह फिल्म दे दे प्यार दे का सीक्वल है और इसमें दिखाया जाएगा कि आशीष, जो कि अजय देवगन के किरदार का नाम है, कैसे आयशा के माता-पिता को अपने रिश्ते के लिए मनाने की कोशिश करता है। फिल्म की रिलीज डेट सामने आने पर फैंस में फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। लोग बेसब्री से फिल्म का इंतजार कर रहे हैं और जानने के लिए उत्साहित हैं कि इस बार फिल्म में कौन-कौन से नए चेहरे होंगे और कहानी में क्या नया ट्विस्ट देखने को मिलेगा। बता दें कि दे दे प्यार दे 2 में तब्बू नजर नहीं आएंगी, जिन्होंने पहली फिल्म में अहम किरदार निभाया था। हालांकि, फिल्म में कई नए कलाकार जुड़ गए हैं। आर माधवन, गौतमी कपूर, मीजान जाफरी, जावेद जाफरी, और इशिता दत्ता जैसे कलाकार इस बार फिल्म का हिस्सा हैं। खासतौर पर आर माधवन की एंट्री फैंस के लिए खुशी की बात है क्योंकि वह आयशा के पिता का रोल निभाते नजर आएंगे। फिल्म के निर्माता भूषण कुमार, लव रंजन और अंकुर गर्ग इस बार भी फिल्म को लेकर काफी उम्मीदें लगाए हुए हैं। उन्होंने बताया है कि दे दे प्यार दे 2 को ऐसा बनाया गया है जो न केवल पहली फिल्म का मज़ा दुगना कर देगा बल्कि एक नए और आधुनिक तरीके से प्यार, रिश्तों और परिवार की जटिलताओं को दिखाएगा।

दुआ की मम्मी

दीपिका पादुकोण को मिला बड़ा सम्मान, बनीं देश की पहली मेंटल हेल्थ एम्बेसडर

दीपिका पादुकोण एक बार फिर सुर्खियों में हैं, इस बार वजह उनकी कोई फिल्म नहीं बल्कि उन्हें भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से देश की पहली मेंटल हेल्थ एम्बेसडर बनाया गया है. बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वो सिर्फ रील लाइफ की ही नहीं, बल्कि रियल लाइफ की भी हीरोइन हैं. एक्ट्रेस को भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से देश की पहली मेंटल हेल्थ एम्बेसडर बनाया गया है. यह उपलब्धि सिर्फ दीपिका के लिए नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के लिए बड़ी प्रेरणा है जो मानसिक स्वास्थ्य को लेकर खुलकर बात करने से डरते हैं.

मानसिक स्वास्थ्य के लिए दीपिका का बड़ा कदम

दीपिका ने सालों पहले डिप्रेशन से जूझने के अपने एक्सपीरियंस को खुले तौर पर साझा किया था. उस दर्द से गुजरने का दर्द वो समझती है, इसलिए उन्होंने The Live Love Laugh Foundation संस्था की शुरुआत की थी, जिसे अब 10 साल पूरे हो चुके है. जिसके बाद अब दीपिका भारत सरकार की बतौर मेंटल हेल्थ एम्बेसडर बन गईं हैं, जो मंत्रालय के साथ मिलकर पूरे देश में मेंटल हेल्थ को लेकर जागरूकता फैलाएंगी. इसके तहत लोगों को मदद लेने के लिए इंस्पायर करना, Tele-MANAS जैसी गवर्मेंट सर्विसेस को बढ़ावा देना और मेंटल इलनेस जैसी गलतफहमियों को दूर करना शामिल है.

दीपिका पादुकोण ने कही दिल छू लेने वाली बात

दीपिका ने इस जिम्मेदारी को लेकर कहा, भारत सरकार के लिए पहली मानसिक स्वास्थ्य एम्बेसडर बनना गर्व की बात है, मुझे यह बहुत बड़ा सम्मान मिला है. देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मेंटल हेल्थ को प्रयोरिटी दी जा रही है, और मैं इस बदलाव का हिस्सा बनकर बेहद खुश महसूस कर रही हूं.

पत्नी की उपलब्धि पर पति रणवीर सिंह का रिएक्शन

दीपिका पादुकोण को मिले इस सम्मान से गद-गद नजर आए पति रणवीर सिंह उन्होंने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर करते हुए, लिखा- तुम पर गर्व है.

प्रोड्यूसर बनकर ओटीटी डेब्यू करेंगे ऋतिक

प्राइम वीडियो के साथ मिलकर बनाएंगे स्ट्रॉम

बॉलीवुड के हैंडसम स्टार ऋतिक रोशन अब अपने करियर की नई राह पर कदम रखने जा रहे हैं। इस बार वो कैमरे के सामने नहीं, बल्कि कैमरे के पीछे नजर आएंगे। जी हां, ऋतिक रोशन अब ओटीटी की दुनिया में बतौर निर्माता अपनी नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। प्राइम वीडियो के साथ मिलकर वो एक रोमांचक एक्शन-थ्रिलर वेब सीरीज 'स्टॉर्म' लेकर आ रहे हैं, जिसमें दमदार महिला किरदार और दिलचस्प कहानी दर्शकों को बांधे रखने वाली है।

अपने ही घर में सुरक्षित महसूस नहीं कर रहीं संगीता बिजलानी

65 साल की हसीना और कभी सलमान खान संग रिश्ते को लेकर फेमस होने वाली अदाकारा संगीता बिजलानी भले ही पर्दे से दूर हैं, लेकिन अपनी ग्लैमरस अदाओं से सुर्खियों बटोरती रहती हैं। संगीता बिजलानी को भी खान परिवार के हर फंक्शन में देखा जाता है, लेकिन अब एक्ट्रेस के अपने फार्महाउस पर हुई चोरी पर खुलकर बात है। उन्होंने बताया कि वो बहुत अनसेफ महसूस कर रही हैं। अभिनेत्री संगीता बिजलानी को शनिवार को पुणे में एक पुरस्कार समारोह में देखा गया, जहां उन्होंने महिला सुरक्षा, बढ़ती चोरी की वारदात और क्या सेफ्टी फीचर्स होने चाहिए जैसे मुद्दों को लेकर अपनी राय रखी।

संगीता बिजलानी ने उनके फार्महाउस पर हुई चोरी पर बात करते हुए कहा, मैंने पुणे के एसपी संदीप सिंह गिल से मुलाकात की है। मैं उनसे मिलने ख़ास तौर पर पुणे आई थी ताकि उनसे मिलकर जल्दी से जांच का अनुरोध कर सकूं, क्योंकि मेरे घर पर चोरी हुई है। एक महिला होने के नाते मैं अपने ही घर में अनसेफ महसूस कर रही हूं। वहां मैं 20 साल से रह रही हूं, वो मेरा घर है। ऐसा पहली बार हुआ है जब मैं असुरक्षित महसूस कर रही हूं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, ये सब सिर्फ मेरे नहीं बल्कि पावना के सभी लोगों के लिए है। वहां के सभी लोग अपने बच्चों और माता-पिता के साथ रहते हैं, ऐसे में उस जगह का सुरक्षित होना बहुत जरूरी है। सेफ्टी को लेकर संगीता बिजलानी ने कहा कि अधिकारियों को वहां सीसीटीवी कैमरे लगाने चाहिए, क्योंकि वहां का कुछ एरिया काफी डार्क है। वहां सभी लोग छुट्टियों के समय जाते हैं, पुलिस को रोजाना वहां पेट्रोलिंग करनी चाहिए और माहौल को खराब करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी करनी चाहिए। इन्हीं बातों को लेकर मैं आज एसपी संदीप सिंह गिल से मिलने के लिए आई हूं। उन्होंने बताया कि फार्महाउस के आसपास के एरिया में फायर ब्रिगेड का ऑफिस भी नहीं है। फार्महाउस तक पहुंचने के लिए फायर ब्रिगेड को 3 से 4 घंटे लगे थे।

बाबिल खान ने सोशल मीडिया पर बयां किया दिल का दर्द, तस्वीरों के साथ शेयर की भावनाएं

मशहूर अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान ने शनिवार को सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कर अपने दिल की बातें लोगों के सामने व्यक्त की। बाबिल खान ने अपने इस पोस्ट में मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संघर्ष और जीवन की चुनौतियों का जिक्र किया। बाबिल ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनके साथ उन्होंने कैप्शन दिया, मैंने चुपके से कोई बात नहीं सुनी, यह कांच का घर पतली दीवारों वाला है। मैंने अपने दिल को बाजू पर रखा, अब मेरी टी-शर्ट खून से सनी है। मुझे ठीक होने के लिए समय चाहिए था, मेरे डर ने मुझे गहरे घाव दिए। अनिद्रा और घबराहट ने मुझे अजीब बातें कबूल करवाई। मैं मदद के लिए चिल्ला रहा था, अपनी भावनाओं को दबा नहीं पाया।

अब प्यार से डर लगता है, कई बार नींद नहीं आती...

छोटे पर्दे पर पिछले 12-13 साल से एक्टिव रहे शीजान खान की जिंदगी में उस वक्त तूफान आ गया था, जब उन्हें तीन साल पहले को-स्टार तुनिषा शर्मा के सुसाइड केस में जेल जाना पड़ा। हालांकि, जेल से बाइज्जत बरी होने के बाद शीजान ने अपनी दूसरी पारी शुरू की। जेल में 70 दिन बिताने के बाद जब शीजान वापस घर लौटे, तो यकीनन उनकी जिंदगी अब आसान नहीं थी। खास बातचीत में शीजान ने अपने करियर और निजी जिंदगी, दोनों पर खुलकर बात की है। वह कहते हैं कि आज भी उन्हें कई बार नींद नहीं आती। तुनिषा के जाने के बाद दिल और दिमाग पर ऐसा असर पड़ा है कि अब प्यार से डर लगता है। शीजान अब टीवी पर गुम है किसी के प्यार में के बाद नए शो गंगा माई की बेटियां में सिद्धू के किरदार में चर्चा बटोर रहे हैं। अपने नए शो के बारे में वह कहते है, हमारे इस शो में जेंडर डिस्क्रिमिनेशन का मुद्दा उठाया गया है। ये मैंने अपने आस-पास भी देखा है कि कैसे बेटे की चाहत में औरत पर लगातार बच्चे पैदा करने का दबाव डाला जाता है। ये कोई नहीं सोचता कि उस मां का क्या हाल होता होगा? बेटे के चक्कर में जो पूरी फौज इकट्ठा कर दी जाती है, यह सोच मुझे बहुत अखरती है।

बेटियां पराया धन होती हैं, इस बात से चिढ़ है: शीजान को समाज में लड़की और लड़के के बीच किए जाने वाले भेदभाव पर कड़ा ऐतराज है। वह कहते हैं, मुझे सबसे ज्यादा बुरा तब लगता है, जब बेटियों को कहा जाता है, ये तो पराया धन हैं। मैंने खुद अपनी बहनों को कहा है कि ये तुम्हारा घर है। कल को शादी होने के बाद तुम्हें अपने घर में किसी भी तरह की कोई दिक्कत लगे, तो सीधे घर आ जाना। ये घर उसका ही है। मैं खुद महिलाओं के बीच पला-बढ़ा हूं। मेरी परवरिश मेरी मां और बहनों ने की है, तो मेरा फेमिनिन साइड मेरे मैस्कुलिन साइड से ज्यादा स्ट्रॉन्ग है। मैं अपने उस पहलू पर गर्व करता हूं। मेरा यही पक्ष मुझसे दूसरों से अलग भी बनाता है कि कम से कम मैं दूसरों का साइड समझने की कोशिश करता हूं।

जेल में रहने के दौरान मां और बहन बनीं सबसे बड़ा सहारा

अली बाबा- दास्तान-ए-काबुल से लोकप्रिय हुए शीजान खान, इसी शो में अपनी को-स्टार तुनिषा शर्मा के सुसाइड, और जेल जाने के उस दौर को याद करते हुए कहते हैं, मेरी जिंदगी का सबसे मुश्किल दौर तो वही था। मैं सोचता था कि खुद को संभालू कैसे? क्योंकि तूफान तो गुजर गया और बर्बाद करके गया, मगर उसके बाद का समय बहुत चैलेंजिंग था। मेरी सच्चाई और मेरा जज्बात खुदा जानता है और बहुत जल्द ये दुनिया भी जान जाएगी। उस मुश्किल समय में मेरा खुदा, मेरी मां और बहनें ही मेरा सबसे बड़ा सहारा थीं।

मेरी मां की दुआ काम आई:

अपनी दूसरी पारी के बारे में शीजान कहते हैं, हमारी इंडस्ट्री बहुत छोटी-सी है। मैं यहां 12-13 साल से काम कर रहा हूं, तो लोग मुझे बहुत अच्छे से जानते हैं। उनको मुझ पर भरोसा था, मेरे घर वालों को मुझ पर भरोसा था। मैं भी जानता था कि मैं टूट चुका हूं, मगर बिखरूंगा नहीं। मेरी मां की दुआ थी, जो मुझे जेल से आने के बाद दूसरा मौका मिला। लोगों को तो वो भी नहीं मिलता। मुझे जो भी काम मिला है, मैं करता चला गया।

ओलंपिक पदक विजेता अमन सेहरावत ने डब्ल्यूएफआई से एक साल का प्रतिबंध हटाने की अपील की, गलती मानी

एजेंसी

नई दिल्ली : पेरिस ओलंपिक 2024 के कांस्य पदक विजेता पहलवान अमन सेहरावत ने अपने ऊपर लगाए गए एक साल के प्रतिबंध को हटाने की अपील की है। विश्व चैंपियनशिप में वजन बनाने में विफल रहने के बाद डब्ल्यूएफआई (डब्ल्यूएफआई) ने उन पर यह कार्रवाई की थी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में अमन ने स्वीकार किया कि उनसे गलती हुई और यह उनकी पहली चूक है। उन्होंने कहा कि वे डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह से मिलकर निर्णय पर पुनर्विचार करने की व्यक्तिगत अपील करेंगे। अमन ने कहा, ह्लमैं उनसे (डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष) मिलकर अनुरोध करूंगा। यह मेरी पहली गलती है, दोबारा नहीं होगी।

डब्ल्यूएफआई ने 23 सितंबर 2025 को अमन को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। 29 सितंबर को उनका जवाब ह्लअसंतोषजनकह्व पाए जाने के बाद अनुशासन समिति ने एक साल का प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की। अमन ने बताया कि प्रतियोगिता से एक दिन पहले अचानक पेट दर्द के कारण वे वजन घटाने की प्रक्रिया जारी नहीं रख पाए। उन्होंने कहा, ह्लमेरे पास केवल 600-700 ग्राम वजन घटाना बाकी था। लेकिन अचानक पेट में दर्द हो गया और मैं सीधा कमरे में चला गया। दवाइयां लेने के बाद भी तबीयत में सुधार नहीं हुआ।, 22 वर्षीय अमन विश्व चैंपियनशिप में 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में भारत की पदक उम्मीद थे, लेकिन 1.7 किग्रा अधिक वजन होने के कारण प्रतियोगिता से अयोग्य घोषित कर दिए गए। इसके बाद डब्ल्यूएफआई ने 23 सितंबर से शुरू होकर एक साल के लिए उन पर प्रतिबंध लगा दिया। अमन ने कहा कि इस प्रतिबंध से उनके करियर पर बड़ा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा, ह्लआने वाले साल में एशियाई खेल और विश्व चैंपियनशिप जैसे बड़े टूर्नामेंट हैं। एशियाई खेल चार साल में एक बार होते हैं। इस मौके को गंवाना मेरे लिए बहुत बड़ी हानि होगी। उन्होंने कहा कि वे डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष से मुलाकात के साथ-साथ खेल मंत्रालय से भी मदद मांगने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, ह्लहम पूरी कोशिश करेंगे। खेल मंत्रालय से भी अनुरोध करेंगे।, गौरतलब है कि अमन सेहरावत ने पेरिस ओलंपिक 2024 में 57 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता था और वे देश के उभरते हुए पहलवानों में से एक माने जाते हैं। उनका अगला लक्ष्य एशियन चैंपियनशिप 2026 और एशियाई खेल 2026 में पदक जीतना है।

पर्थ वनडे से बाहर हुए एडम जम्पा और इंग्लिस, कूहनेमन और फिलिप को मौका

पर्थ : ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जम्पा और विकेटकीपर बल्लेबाज जॉश इंग्लिस भारत के खिलाफ पर्थ में होने वाले पहले वनडे मैच से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह मैथ्यू कूहनेमन और जॉश फिलिप को टीम में शामिल किया गया है। जम्पा पारिवारिक कारणों से टीम से बाहर हैं क्योंकि उनकी पत्नी हैरियट गर्भावस्था के अंतिम चरण में हैं और डिलीवरी की तारीख नजदीक है। पर्थ से घर वापस लौटना कठिन होने के कारण जम्पा ने न्यू साउथ वेल्स में ही रहने का फैसला किया है। वे संभवतः एडिलेड और सिडनी में होने वाले दूसरे और तीसरे वनडे में टीम से जुड़ेंगे। इसके बाद होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज में उनके खेलने की पूरी संभावना है। वहीं, इंग्लिस पिंडली (काफ) की चोट से उबर नहीं पाए हैं, जो उन्हें न्यूजीलैंड दौरे से पहले लगी थी। इसी कारण वे पहले वनडे से बाहर हैं। इंग्लिस एडिलेड में होने वाले दूसरे वनडे से भी बाहर रहेंगे, लेकिन टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि वे 25 अक्टूबर को सिडनी में होने वाले तीसरे वनडे तक फिट हो जाएंगे। मैथ्यू कूहनेमन तीन साल बाद वनडे टीम में वापसी करेंगे।

मप्रः राज्य स्तरीय स्वच्छता समग्र समारोह आज भोपाल में, मुख्यमंत्री प्रदान करेंगे स्वच्छता सम्मान

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा आज मंगलवार को राजधानी भोपाल के रवीन्द्र भवन हंसध्वनि सभागार में 5वां राज्य स्तरीय स्वच्छता सम्मान समारोह एवं कार्यशाला ह्लस्वच्छता समग्रह्व का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दोपहर एक बजे समारोह में उल्लेखनीय कार्य करने वाले नगरीय निकायों को स्वच्छता सम्मान प्रदान करेंगे। समारोह में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी भी मौजूद रहेंगी। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में स्वच्छता पखवाड़ा पर आधारित विशेष फिल्म एवं स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के डिजिटल पोस्टर का लोकार्पण भी किया जायेगा। कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अपर मुख्य

सचिव संजय दुबे, स्वच्छ भारत मिशन एवं प्रदेश के शहरी विकास के रोडमेप की रूपरेखा प्रस्तुत करेंगे।

कार्यशाला के विषय

कार्यशाला में सुबह 9 बजे से समानान्तर सत्र के रूप में चर्चा होगी। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त भोंडवे का प्रारंभिक उद्धबोधन प्रदेश में लीगेसी वेस्ट वायु गुणवत्ता और शहरी स्वच्छता की चुनौतियां विषय पर होगा। कार्यशाला में समानान्तर सत्र होंगे। इनमें प्रमुख रूप से नर्मदा बेसिन, धार्मिक और पर्यटन महत्व के शहरों में स्वच्छता और कचरा प्रबंधन की चुनौतियां विषय रहेगा। इस सत्र में उज्जैन महापौर मुकेश टटवाल, जबलपुर महापौर जगत बहादुर सिंह, पर्यटन विकास निगम के एमडी इलैया राजा और रेंस्पांसिबल ट्यूरिज्म मिशन के डारेक्टर डीपी सिंह शामिल होंगे। एक अन्य सत्र में शहरों में लीगेसी अपशिष्ट की वर्तमान स्थिति एवं चुनौती विषय पर इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, छिंदवाड़ा महापौर विक्रम सिंह अहाके, ग्वालियर महापौर शोभा सिकरवार, इंदौर नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव, ग्वालियर के आयुक्त संघ प्रिय और मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सचिव विचार व्यक्त करेंगे। समानान्तर सत्र में ही शहरों की कार्य योजना का प्रस्तुतिकरण, शहरों की सफाई, सौंदर्यीकरण और छोटे शहरों में विकास की संभावनाएं विषय पर भोपाल महापौर मालती राय, उज्जैन नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, भोपाल नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन, सागर के आयुक्त राजकुमार खत्री अपने विचार व्यक्त करेंगे।

सफाई मित्रों से संवाद

नगरीय निकायों में कार्यरत सफाई मित्रों की कुशलता वृद्धि के संबंध में नगर निगम महापौर, आयुक्तों और संबंधित विषय-विशेषज्ञों के बीच संवाद होगा। इस सत्र में सफाई मित्रों को राज्य शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने पर चर्चा होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक आज, कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मिलेगी मंजूरी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में आज मंगलवार को कैबिनेट की बैठक होगी। जिसमें कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी मिलेगी। मंगलवार सुबह 11 बजे मंत्रालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में राज्य मंत्रि परिषद (कैबिनेट) की बैठक होगी। कैबिनेट बैठक में कई बड़े प्रस्तावों पर मुहर लगने की संभावना है। जानकारी में आया है कि उव?त बैठक में प्रदेश से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाओं और नीतिगत फैसलों पर चर्चा होगी, जिसमें कि प्रमुख रूप से सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए कई अहम फैसले लिए जा सकते हैं। सरकार पेंशनरों को दीपावली का गिफ्ट देगी। मध्य प्रदेश के 4.5 लाख पेंशनरों को 2% बढ़ी महंगाई राहत मिलेगी। कुछ प्रमुख विभागों के प्रस्तावों को हरी झंडी मिलने की संभावना भी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुशल संगठनकर्ता दत्तोपंत ठेंगड़ी को पुण्यतिथि और स्वतंत्रता सेनानी लाला हरदयाल को जयंती पर किया नमन

भोपाल : श्रमिक नेत स्वदेशी जागरण मंच के संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़ी की आज मंगलवार को पुण्यतिथि है। इसके साथ ही महान स्वतंत्रता सेनानी लाला हरदयाल की आज ही के दिन जयंती है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दोनों महान विभूतियों को स्मरण करते हुए विनम्र नमन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर श्रमिक नेता दत्तोपंत ठेंगड़ी को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देते हुए कहा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आजीवन प्रचारक रहे कुशल संगठनकर्ता, आधुनिक भारत के मनीषी, पूज्य दत्तोपंत ठेंगड़ी जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। भारतीय मजदूर संघ, भारतीय किसान संघ और स्वदेशी जागरण मंच जैसे संगठनों की स्थापना कर आपने सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र की सेवा और किसानों व श्रमिकों के उत्थान हेतु समर्पित किया। स्वदेशी की भावना से ओत-प्रोत आपके विचार सदैव हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे। एक अन्य संदेश के माध्यम से सीएम डॉ. यादव ने स्वतंत्रता सेनानी लाला हरदयाल को जयंती पर नमन करते हुए कहा गदर पार्टी की स्थापना कर स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा देने वाले स्वतंत्रता सेनानी, श्रद्धेय लाला हरदयाल जी की जयंती पर नमन करता हूँ।

वेनेजुएला ने नॉर्वे और ऑस्ट्रेलिया में अपनी दूतावासें बंद करने का किया ऐलान

एजेंसी

काराकास : वेनेजुएला की सरकार ने सोमवार को घोषणा की है कि वह नॉर्वे और ऑस्ट्रेलिया में अपने दूतावास को बंद करेगी। इसके स्थान पर बुर्किना फासो और जिम्बाब्वे में नए दूतावास खोले जाएंगे। यह कदम अमेरिकी तनावों के बढ़ने के बाद वेनेजुएला के विदेश सेवा ढांचे के पुनर्गठन का हिस्सा है। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार ने एक बयान में कहा कि यह बंदी ह्लसंसाधनों के रणनीतिक पुनःआवंटनह्व का हिस्सा है। उन्होंने यह भी कहा कि नॉर्वे और ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले वेनेजुएला नागरिकों के लिए वाणिज्यिक सेवाएं अन्य कूटनीतिक मिशनों के माध्यम से प्रदान की जाएंगी, जिसके विवरण आने वाले दिनों में साझा किए जाएंगे। काराकास ने कहा कि बुर्किना फासो और जिम्बाब्वे में नई दूतावासें ह्लदो बहन राष्ट्रों में खोली जाएंगी, जो उपनिवेशवाद के खिलाफ और प्रभुत्ववादी दबावों के खिलाफ संघर्ष में रणनीतिक सहयोगी हैंह्व ये नई दूतावासें कृषि, ऊर्जा, शिक्षा, खनन और अन्य साझा हितों में संयुक्त परियोजनाओं को शुरू करने में मदद करेंगी। यह घोषणा उस समय हुई है जब ओस्लो में नोबेल समिति ने वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरीना माचाडो को 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार दिया है। वेनेजुएला और अमेरिका के बीच बढ़ते तनावों के बीच यह कदम लिया गया। काराकास ने कहा है कि वह अपने कैरेबियन तट के पास अमेरिकी सैन्य हमलों के बाद संयुक्त राष्ट्र से समर्थन की मांग कर रहा है। मादुरो ने आरोप लगाया है कि अमेरिका देश में सरकार बदलने की कोशिश कर रहा है। जिम्बाब्वे और बुर्किना फासो की सरकारें रूस के करीब हैं, जिसने संयुक्त राष्ट्र में वेनेजुएला का समर्थन किया और अमेरिका पर ह्लपहले गोली मारोह्व सिद्धांत के अनुसार कार्य करने का आरोप लगाया।

मध्य प्रदेश से हुई मानसून की विदाई, लेकिन हल्की बारिश का रहेगा दौर, ठंड ने भी दी दस्तक

- प्रदेश के अधिकांश शहरों में रात का न्यूनतम तापमान 20 डिग्री के नीचे

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश से मानसून की विदाई हो गई है। लेकिन बारिश का दौर जारी रहेगा। हालांकि आज कहीं भी बारिश का अलर्ट नहीं है। बुधवार और गुरुवार को प्रदेश के दक्षिणी हिस्से में गरज चमक के साथ पानी गिरने की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश से मानसून की विदाई हो चुकी है, लेकिन प्रदेश के दक्षिणी हिस्से के जिलों में हल्की बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। आज मंगलवार को मौसम साफ रहेगा, लेकिन इसके बाद कई जिलों में बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, पूरे मध्य प्रदेश से मानसून की विदाई हो गई

है। इस बार मानसून की तीन किश्तों में रवानगी हुई है। सबसे पहले 12 जिलों से मानसून लौटा। फिर करीब 35 जिलों से विदाई हुई। इसके बाद सोमवार को सिंगरौली, सीधी, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, जबलपुर, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा से भी मानसून विदा हो गया। इस साल 3 महीने 28 दिन मानसून एक्टिव रहा। 16 जून को प्रदेश में मानसून की एंट्री हुई थी। हालांकि, भले ही मानसून लौट गया है, लेकिन बारिश का दौर जारी रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को कहीं भी बारिश का अलर्ट नहीं है, लेकिन 15 और 16 अक्टूबर को प्रदेश के दक्षिणी हिस्से में गरज-चमक के साथ पानी गिर सकता है। इस बीच प्रदेश में रातें ठंडी हो गई है। हवा का रुख बदलने से ऐसा हो रहा है। दरअसल, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ों में बर्फबारी हो रही है। इस वजह से उत्तरी हवा चल रही है और मध्यप्रदेश में ठंडक बढ़ा रही है। रविवार-सोमवार की रात प्रदेश के अधिकांश शहरों में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री के नीचे आ गया। इंदौर-राजगढ़ में 14.6 डिग्री, भोपाल में 15.8 डिग्री, उज्जैन में 17.3 डिग्री, ग्वालियर में 21.3 डिग्री और जबलपुर में पारा 18.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी तरह बैतूल में 17.2 डिग्री, धार में 16.9 डिग्री, गुना में 18.6 डिग्री, नर्मदापुरम में 18.9 डिग्री, खंडवा में 16.4 डिग्री, खरगोन में 17 डिग्री, पचमढ़ी में 17.8 डिग्री, रतलाम में 17.2 डिग्री, शिवपुरी में 18 डिग्री, छिंदवाड़ा में 16.8 डिग्री, नौगांव में 15.3 डिग्री, टीकमगढ़, रीवा-सागर में 18 डिग्री रहा।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के रक्षामंत्री और आईएसआई प्रमुख के वीजा आवेदन खारिज किए

एजेंसी

काबुल : अफगान सरकार ने पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ, इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक और दो अन्य जनरलों के वीजा आवेदनों को खारिज कर दिया है। पिछले तीन दिन में इस्लामाबाद ने तीन अलग-अलग अनुरोध भेजे। तीनों को काबुल ने अस्वीकार कर दिया। द बलोचिस्तान पोस्ट (पश्तो भाषा) की सोमवार की रिपोर्ट के अनुसार, अफगान विदेश मंत्रालय या तालिबान सरकार ने इस मामले पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की। सूत्रों ने वीजा आवेदन खारिज करने की पुष्टि की। हाल के महीनों में

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव बढ़ा है। इस्लामाबाद ने अफगानिस्तान पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को अपनी जमीन का प्रयोग करने का आरोप लगाया है।तालिबान सरकार ने इस्लामाबाद के इन आरोपों का खंडन किया है। हाल ही में खबरें आईं कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल सहित विभिन्न क्षेत्रों में हवाई हमले किए। अफगान बलों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में पाकिस्तानी बलों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की। इस कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना को भारी क्षति हुई।हालांकि बाद में अफगान सेना ने युद्धविराम की घोषणा कर दी। भारत में अफगान सरकार के विदेश मंत्री ने पुष्टि की कि सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात के अनुरोध पर युद्धविराम का फैसला लिया गया। पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ पहले भी अफगान नेतृत्व से मिल चुके हैं। हालिया घटनाक्रम के बाद वह तालिबान सरकार के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ सुरक्षा पर चर्चा करने के लिए काबुल जाना चाहते थे। अफगान सरकार के इनकार करने से दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव और भी स्पष्ट हो गया है।

रायपुर : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े आज अभिनव कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगी

रायपुर : महिला एवं बाल विकास विभाग के छत्तीसगढ़ राज्य बाल संरक्षण समिति द्वारा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम के अंतर्गत बच्चों के संस्थागत एवं गैर संस्थागत देखरेख के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अभिनव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ आज मंगलवार को महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य में रायपुर के खम्हारडीह स्थित शासकीय बालिका गृह में होगा। प्रशिक्षण में जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, संरक्षण अधिकारी गैर संस्थागत, बाल देखरेख संस्थाओं के अधीक्षक एवं बाल कल्याण अधिकारी भाग लेंगे।

खरगोनः शासकीय आईटीआई में आज रोजगार मेले का आयोजन

खरगोन : मध्य प्रदेश के खरगोन में जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिले के युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज (मंगलवार को) प्रातः 11 बजे से दोपहर 03 बजे तक शासकीय आई.टी.आई में युवा संगम (रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिशिप मेला) का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में विभिन्न निजी कंपनियों द्वारा भर्ती की जाएगी तथा शासकीय विभागों द्वारा स्वरोजगार के लिए ऋण योजनाओं एवं अन्य जानकारी युवाओं को प्रदान की जाएगी। जिला रोजगार अधिकारी प्रीतिबाला सस्ते ने बताया कि रोजगार मेला में 8वीं से लेकर स्नातक, स्नातकोत्तर एवं आईटीआई उत्तीर्ण 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के

युवक भाग ले सकते हैं। प्रतिभागियों को अपनी शैक्षणिक योग्यता की अंकसूचियां, रिज्यूम अथवा सीवी, रोजगार कार्यालय का पंजीयन, समग्र आईडी (अनिवार्य), जाति एवं मूल निवासी प्रमाण पत्र की छायाप्रतियां तथा दो पासपोर्ट आकार के फोटो साथ लाने होंगे। इच्छुक अभ्यर्थी समय पर उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 07282-232787 पर संपर्क किया जा सकता है।

जनसेवा और सर्जरी शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊर्जा लाने का संकल्पः डॉ. संतोष सिंह

एजेंसी

प्रयागराज : सर्जरी केवल तकनीक नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का माध्यम है। यह बात मंगलवार को हिन्दुस्थान समाचार प्रतिनिधि से हुई बातचीत में उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया के हाल ही में सम्पन्न हुए कार्यकारी समिति चुनाव 2025 में शानदार जीत हासिल करने वाले प्रयागराज के प्रसिद्ध शल्य चिकित्सक डॉ. संतोष कुमार सिंह ने कहा ?। डॉ. सिंह ने कहा कि इस नई जिम्मेदारी के माध्यम से वे चिकित्सा सेवा को ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों तक पहुँचाने के लिए प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने कहा झ ह्लमेरा लक्ष्य है कि आधुनिक सर्जिकल सुविधाएँ सिर्फ बड़े शहरों तक सीमित न रहें। हर मरीज, चाहे वह किसी

भी आर्थिक वर्ग से हो, उसे सम्मानपूर्वक और समय पर इलाज मिले – यही मेरा मिशन है। उन्होंने आगे बताया कि आने वाले समय में स्वास्थ्य शिविरों, सर्जिकल जागरूकता अभियानों और युवा डॉक्टरों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रारंभ की जाएगी, जिससे प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं का स्तर और ऊँचा उठ सके। डॉ. सिंह ने कहा कि यू.पी.ए.एस.आई जैसे प्रतिष्ठित संगठन का उद्देश्य केवल तकनीकी प्रशिक्षण देना नहीं है, बल्कि सर्जनों के बीच संवाद, सहयोग और ज्ञान-साझाकरण को भी बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि नई तकनीकों जैसे लैप्रोस्कोपिक, लेजर और रोबोटिक सर्जरी को राज्य के हर हिस्से तक पहुँचाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही, समाज के गरीब और जरूरतमंद वर्ग को निःशुल्क सर्जरी व परामर्श सुविधा प्रदान करना भी हमारी प्राथमिकता रहेगी। डॉ. सिंह ने सभी सीनियर डॉक्टरों, सहकर्मियों, विद्यार्थियों और शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा झ ह्लयह जीत प्रयागराज के सर्जनों और जनता के विश्वास की जीत है। मैं आप सभी का दिल से धन्यवाद करता हूँ और यह भरोसा दिलाता हूँ कि सर्जरी के क्षेत्र में नई ऊर्जा, संवेदना और निष्ठा के साथ कार्य करता रहूँगा। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया के हाल ही में सम्पन्न में प्रयागराज के प्रसिद्ध शल्य चिकित्सक डॉ. संतोष कुमार सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पद पर भारी मतों से जीत दर्ज की। राज्यभर में कुल 926 सर्जनों ने इस ऐतिहासिक ई-वोटिंग चुनाव में भाग लिया। डॉ. सिंह को 509 मत प्राप्त हुए, जो उन्हें शीर्ष विजेताओं में स्थान दिलाते हैं। यह पहली बार था जब राज्य के सर्जनों के लिए इस स्तर का चुनाव ऑनलाइन प्रणाली से सम्पन्न हुआ। इस चुनाव में प्रयागराज, गोरखपुर, लखनऊ, आगरा, कानपुर और अन्य शहरों के वरिष्ठ सर्जनों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। डॉ. संतोष सिंह वर्तमान में मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल, प्रयागराज के सर्जरी विभाग में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यरत हैं। वे अपने उत्कृष्ट सर्जिकल कौशल, शिक्षण क्षमता और मरीजों के प्रति समर्पण के लिए चिकित्सा जगत में विशिष्ट पहचान रखते हैं। साथ ही, वे इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के संयुक्त सचिव हैं तथा पूर्व में जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। इन पदों पर रहते हुए उन्होंने चिकित्सकों के अधिकारों और प्रशिक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए। अपनी जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए डॉ. सिंह ने कहा झ ह्लयह सफलता मेरे सभी वरिष्ठ सर्जनों के आशीर्वाद, सहकर्मियों के विश्वास और विशेष रूप से आदरणीय प्रो. (डॉ.) प्रोबाल नियोगी सर के प्रेरणादायक मार्गदर्शन का परिणाम है।

न्यूज IN ब्रीफ

मप्र के रतलाम में मिला दुर्लभ जीव पैंगोलिन, वन विभाग ने किया रेस्क्यू

रतलाम : मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में स्थित ग्राम सिमलावदा में सोमवार को दुर्लभ जीव पैंगोलिन मिला है। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम गांव पहुंची और पैंगोलिन को रेस्क्यू किया। उसे पिंजरे में बंद कर वन विभाग कार्यालय लाया गया है। बताया गया है कि ग्रामीण दूलेसिंह दायमा के मकान में रविवार रात को पैंगोलिन दिखाई दिया था। तब ग्रामीण ने उसे बिना नुकसान पहुंचाए शौचालय में बंद कर दिया था। सुबह रतलाम जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि विशाल जायसवाल जो कि गांव सिमलावदा के ही निवासी है, उन्हें सूचना दी। जब गांव में इस जीव के होने की जानकारी मिली तो ग्रामीण इसे देखने पहुंचे। इसके बाद वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग की टीम ने दायमा के घर में शौचालय में पैंगोलिन को रेस्क्यू कर पिंजरे में कैद किया। वन विभाग रतलाम परिक्षेत्र के सहायक सुखसिंह डांगी ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर जाकर जीव को सुरक्षित रेक्स्यू कर वन विभाग कार्यालय में रखा है। वरिष्ठ अधिकारी के निर्देश के बाद इसे छोड़ा जाएगा। डांगी के अनुसार उन्होंने भी पहली बार इस तरह का जीव देखा है, जो कि हलके पहाड़ी क्षेत्रों में पाया जाता है। शाम को भी सिमलावदा समेत आसपास के क्षेत्र में जाकर सर्चिंग की है तो कि और भी इस प्रकार के जीव तो नहीं है। जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि जायसवाल ने बताया कि सुबह गांव के दुलेसिंह दायमा ने इस बारे में बताया। रात भर सुरक्षा कर उसे जीव को सुरक्षित रखा। पहली बार में गांव में इस तरह का जीव देखा गया। रात भर ध्यान रखने पर जायसवाल ने ग्रामीण दायमा को पांच हजार रुपए का इनाम देकर सम्मानित भी किया।

डॉ. महरंग बलोच व अन्य महिलाओं के खिलाफ दर्ज केस की क्वेटा जेल में सुनवाई

क्वेटा : बलोचिस्तान की प्रसिद्ध मानवाधिकार कार्यकर्ता डॉ. महरंग बलोच और बलोच सॉलिडेरिटी कमेटी (बीवाईसी) की अन्य महिला नेताओं के खिलाफ दर्ज मामलों की ताजा सुनवाई आतंकवाद विरोधी अदालत के बजाय क्वेटा जिला जेल में हुई। बीवाईसी ने इसे प्रशासनिक दमन का एक भयावह उदाहरण बताया है। द बलोचिस्तान पोस्ट (पश्तो भाषा) की 13 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, बलोच सॉलिडेरिटी कमेटी ने एक्स पर एक बयान में कहा कि हिरासत में ली गई महिलाओं की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी गई है। डॉ. महरंग बलोच, सिबगतुल्लाह बलोच, बेबो बलोच, बैबर्ग बलोच और गुलजादी बलोच को मार्च में पब्लिक ऑर्डर ऑर्डिनेंस (एमपीओ) के तहत गिरफ्तार किया गया था। वे वर्तमान में हिरासत में हैं। इनकी रिमांड कई बार बढ़ाई जा चुकी है। डॉ. महरंग बलोच के वकील इसरार बलोच ने बताया कि मामले की सुनवाई शनिवार को आतंकवाद निरोधक अदालत संख्या एक के न्यायाधीश मोहम्मद अली मुबीन ने क्वेटा जिला जेल में की। सुनवाई के दौरान अभियोजक चालान पेश करने में विफल रहा। इसके कारण आरोप नहीं लगाए जा सके और औपचारिक सुनवाई शुरू नहीं हो सकी। जज ने सुनवाई 18 अक्टूबर तक स्थगित कर दी गई। बीवाईसी का कहना है कि जेल में सुनवाई करना पारदर्शिता को दबाने, सार्वजनिक जांच को समाप्त करने और बलोचिस्तान में शांतिपूर्ण राजनीतिक असंतोष को आपराधिक बनाने की एक गंभीर और सोची-समझी योजना है। जो पाकिस्तान के अपने संविधान और निष्पक्ष सुनवाई तथा कानून की उचित प्रक्रिया के अंतरराष्ट्रीय सिद्धांतों का स्पष्ट उल्लंघन है। उल्लेखनीय है कि बलोच यकजेहती समिति की नेता हैं। वह बलोचिस्तान में जबरन गायब किए जाने, गैर-न्यायिक हत्याओं और अन्य मानवाधिकार उल्लंघनों के खिलाफ शांतिपूर्ण संघर्ष के लिए जानी जाती है। उन्हें 2025 में नोबेल शांति पुरस्कार के लिए भी नामांकित किया गया। उन्होंने 2019 में इस समिति की स्थापना की थी। उन्होंने 2023 में बलोच लॉन्ग मार्च का नेतृत्व किया। इसमें लाखों लोगों ने हिस्सा लिया। महरंग बलोच ने अपने पिता के अपहरण और भाई के जबरन गायब होने के बाद मानवाधिकारों के लिए आंदोलन शुरू किया। वह अपने संघर्ष में अहिंसक और गांधीवादी तरीकों पर जोर देती हैं।

मुठभेड़ : 25 हजार का इनामी गैंगस्टर रामजी पटेल गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

उरई : आटा थाना क्षेत्र में सोमवार रात पुलिस और 25,000 रुपए के इनामी कुख्यात गैंगस्टर रामजी पटेल के बीच हुई मुठभेड़ में वह गोली लगने से वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना के बाद मौके पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक डॉ. धुरेश कुमार ने बताया कि अभियुक्त पर दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। घटना आटा थाना क्षेत्र के उकासा जाने वाले मार्ग पर स्थित एक यात्री प्रतीक्षालय के पास हुई। पुलिस को विश्वसनीय सूचना मिली थी कि ग्राम संधी निवासी कुख्यात गैंगस्टर रामजी पटेल किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की योजना बनाकर गोविंदम होटल की ओर जा रहा है। इस सूचना के आधार पर जालौन कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी और थाना आटा प्रभारी अजय कुमार ने संयुक्त टीम बनाकर मुठभेड़ की रणनीति तैयार की और संदिग्ध का इंतजार करने लगे। जैसे ही पुलिस टीम ने रामजी पटेल को रोकने का प्रयास किया, उसने बिना किसी चेतावनी के पुलिस पर तीन राउंड फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा और स्थिति पर नियंत्रण के लिए पुलिस को जवाबी फायरिंग करनी पड़ी, जिसमें एक गोली रामजी पटेल के पैर में लगी। गोली लगने के बाद वह घायल अवस्था में जमीन पर गिर पड़ा। पुलिस ने तुरंत उसे काबू में ले लिया और प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल पहुंचाया, जहाँ उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने बताया कि गिरफ्तार रामजी पटेल एक कुख्यात और सक्रिय अपराधी है। उसके खिलाफ जिले में दो दर्जन से अधिक चोरी के मामले दर्ज हैं। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश गैंगस्टर एक्ट के तहत भी उस पर दो मामले चल रहे हैं। उसकी गिरफ्तारी पर 25,000 रुपए का इनाम भी घोषित था। एसपी ने बताया कि रामजी पटेल लगातार सक्रिय था और हाल ही में भी किसी बड़े अपराध की साजिश रचने में शामिल होने की सूचना पुलिस को मिली थी।

रोग होने का कारण है दूषित रक्त : सतीश राय

प्रयागराज : रक्त का दूषित होना शारीरिक व मानसिक रोगों का कारण है। हमारे स्वास्थ्य पर सबसे ज्यादा प्रभाव आहार का होता है। खान-पान का ध्यान रखने से शरीर के रोगों का 50 प्रतिशत चिकित्सा अपने आप हो जाती है। आहार का प्रयोग और चयन सोच समझ कर करना चाहिए। यह बातें मंगलवार को सुबह एसकेआर योग एवं रेकी शोध प्रशिक्षण और प्राकृतिक संस्थान मधुबन बिहार स्थित प्रयागराज रेकी सेंटर पर निःशुल्क कार्यक्रम के पश्चात जाने-माने स्पर्श चिकित्सक सतीश राय ने कही। उन्होंने लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि ताजा शुद्ध भोजन के साथ देसी घी-मक्खन का खाने में उपयोग करना, मौसमी फलों का सेवन, स्पर्श ध्यान करना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। --शरीर का रक्त शुद्ध खान-पान पर निर्भर उन्होंने कहा शरीर का बल, इम्यूनिटी, स्वस्थ त्वचा की चमक और उम्र यह सभी शरीर के शुद्ध रक्त पर निर्भर है और शरीर का रक्त शुद्ध खान-पान पर निर्भर है। अस्वस्थ होने का मुख्य कारण हमारे रक्त का दूषित होना है। इससे मुंह में छाले, मुंह में दुर्गंध आना, दाद, खाज, खुजली, त्वचा के रोग, लाल चकत्ते पड़ना, फोड़ा-फुंसी होना, यूरिक एसिड का बढ़ना, सिर दर्द, हमेशा थकान रहना, खट्टी डकार, एसिडिटी यह सब इसके लक्षण हैं।
ज्यादा नमक खाने से भी रक्त दूषितसतीश राय ने कहा कि बहुत ज्यादा नमक खाना भी हमारे रक्त को दूषित करता है। जो केचप, चिप्स व नमकीन के अत्यधिक सेवन करने से नमक की मात्रा शरीर में बढ़ जाती है। इसके अतिरिक्त रिफाइंड तेल, बेकरी फूड, चाऊमीन, बर्गर, पिज्जा,पास्ता का लगातार सेवन करना क्षमता से ज्यादा परिश्रम करना इत्यादि। सेब खाने से बढ़ता है कफ दोषसतीश राय ने आगे कहा कि ज्यादातर लोग सेब उपयोग में तब लाते हैं जब वे अस्वस्थ होते हैं। लोगों का मानना है कि स्वास्थ्य के लिए बेहतर फलों में सेब सबसे अच्छा होता है। आयुर्वेद के अनुसार पका हुआ सेब वात दोष - पित्त दोष को संतुलित करता है। अर्थात वात दोष एवं पित्त दोष से संबंधित रोगों को ठीक करता है लेकिन यह कफ दोष को बढ़ाता भी है। जिन लोगों को खांसी बलगम अस्थमा सांस लेने में दिक्कत होती है उन्हें सेब का प्रयोग कम करना चाहिए। सतीश राय ने कहा सेब पचने में भारी होता है। शरीर में यह ठंडक लाता है, वजन बढ़ाने एवं शरीर में ताकत लाने में मदद करता है। जो लोग स्वास्थ्य वर्धक आहार खाकर वजन बढ़ाना चाहते हैं वे दैनिक आहार में इसका सेवन कर सकते हैं। जिन्हें भूख कम लगती है, मुंह का स्वाद खराब हो तो उन्हें भी सेब खाने से लाभ होगा। उन्होंने कहा कि जो फल जिस मौसम में पकता है उसे उसी मौसम में खाना ज्यादा फायदेमंद होता है। सेब का सेवन ठंडक के मौसम में करना फायदेमंद होता है। जब हमारे शरीर की अग्नि प्राकृतिक रूप से प्रबल होती है और पचने में भारी आहार को भी आसानी से पचा सकती है।
जिन लोगोंको एसिडिटी पेट में जलन खट्टी डकार आती है उन्हें इसका सेवन फायदेमंद होता है। क्योंकि यह पित्त दोष को कम करता है। अंत में उन्होंने कहा कि आहार और दिनचर्या में सुधार लाकर हम स्वस्थ रह सकते हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

सीमांकन के लिए प्राप्त आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई की जाए : उपायुक्त

दुमका : समाहरणालय के सभागार कक्ष में सोमवार को जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में राजस्व, आंतरिक संसाधन, आपदा प्रबंधन,राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल (ठलअक), पथ प्रमंडल,भू-अर्जन से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि भूमि सीमांकन हेतु लगने वाले शुल्क का कार्यालय में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि आमजनों को इस संबंध में जानकारी रहे। सीमांकन हेतु प्राप्त आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई निश्चित रूप से की जाए। सभी प्रखंड सीमांकन से संबंधित आवेदनों का निष्पादन मिशन मोड में करें।

बैठक में उपायुक्त ने ग्राम प्रधान के भुगतान के संबंध में जानकारी प्राप्त की एवं निर्देश दिया कि आवंटन की मांग कर ग्राम प्रधान के भुगतान का कार्य अविलंब किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम प्रधान की नियुक्ति से संबंधित लंबित प्रतिवेदन अंचल अधिकारी अविलंब उपलब्ध कराएं, ताकि आवश्यक कार्रवाई करते हुए ग्राम प्रधान की नियुक्ति की जा सके।उन्होंने कहा कि अंचल अधिकारी अपने पास प्रतिवेदन लंबित नहीं रखें।

उपायुक्त ने कहा कि पीएम किसान योजना के तहत यदि पति-पत्नी दोनों को लाभ मिल रहा है, तो ऐसे लाभुकों को चिन्हित किया जाए।

आपदा की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि अतिवृष्टि, आंधी-तूफान, अग्निकांड, वज्रपात आदि से प्रभावित लाभुकों को चिन्हित करते हुए उन्हें लाभ प्रदान किया जाए। सभी अंचल अधिकारी अपने-अपने प्रखंड से ऐसे लाभुकों को चिन्हित कर आपदा मद के अंतर्गत लाभ दिलाने हेतु आवेदन मुख्यालय भेजें।उन्होंने कहा कि सभी अंचल अधिकारी सड़क दुर्घटना से संबंधित मामलों की रिपोर्ट भी अविलंब भेजें, ताकि पात्र लाभुकों को मुआवजा उपलब्ध कराया जा सके।

बैठक में उपायुक्त ने आपदा से निपटने हेतु गोताखोरों के लिए आवश्यक सामग्री की खरीद के लिए सूची तैयार कर क्रय करने का निर्देश दिया।

भू-अर्जन की समीक्षा करते हुए मेगा लिफ्ट सिंचाई योजना के तहत मुआवजा राशि के भुगतान की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने शेष लाभुकों को नियमानुसार राशि भुगतान करने का निर्देश दिया। जानकारी दी गई कि बिजली का कार्य जारी है और दिसंबर तक योजना का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा।

दुमकाझबासुकीनाथ पथ निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि सभी आवश्यक कार्य पूर्ण करते हुए जल्द से जल्द कार्य प्रारंभ किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि जामा, दुमका एवं जरमुंडी प्रखंड कार्यालय एवं अंचल कार्यालय से इस योजना से संबंधित कोई भी कार्य लंबित न रहे, इसे सुनिश्चित किया जाए।उपायुक्त ने कहा कि योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाए ताकि आमजनों को आवागमन में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

बासुकीनाथझदेवघर पथ निर्माण के संबंध में समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि भूमि अधिग्रहण का कार्य पूर्ण कर नियमानुसार निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाए।

उपायुक्त ने कहा कि अंचल अधिकारी सेटलमेंट कार्यालय से संबंधित प्रतिवेदन समय पर सेटलमेंट कार्यालय कार्यालय को उपलब्ध कराएं।

बैठक में अपर समाहर्ता,अनुमंडल पदाधिकारी, सभी अंचल पदाधिकारी एवं विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

देवघर बाबाधाम से निकलने वाले नीर, फूल-बेल पत्र के लिए बना ट्रीटमेंट प्लांट

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा के निदेर्शानुसार बाबा बैद्यनाथ मंदिर में जलार्पण के पश्चात जो भी फूल, बेलपत्र इत्यादि निकलता है, उसे संग्रहित कर मानसरोवर स्थित बनाए गए ट्रीटमेंट प्लांट पर मशीन के माध्यम से उसका निष्पादन किया जा रहा है, जिसके पश्चात नगर निगम के प्रेशर डंपर द्वारा उस फूल एवं बेलपत्र को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट पछियारी कोठिया में पहुंचाया जा रहा है। साथ ही जल्द ही कृषि विज्ञान केंद्र सुजानी के सहयोग से मंदिर के फूलों व बेलपत्र से ऑर्गेनिक खाद बनाने का कार्य शुरू किया जाएगा। इसके अतिरिक्त बाबा मंदिर से जलार्पण के पश्चात निकलने वाले जल को एक बार फिर से नीर ट्रीटमेंट प्लांट के माध्यम से उपयोग में लाया जाएगा, ताकि मंदिर के आसपास बेलपत्र, नीर और जल जमाव को सही तरीके से निष्पादित किया जा सके। साथ ही नीर ट्रीटमेंट प्लांट को लेकर जल्द ही टेंडर के माध्यम से कंपनी का चयन कर इसे शुरू करने का निर्देश उपायुक्त ने नगर निगम के अधिकारियों को दिया है।

छठ महापर्व को लेकर देवघर नगर निगम ने चलाया विशेष सफाई अभियान

देवघर : आगामी छठ महापर्व को लेकर देवघर नगर निगम द्वारा सभी छठ घाटों पर विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। नगर आयुक्त के निदेर्शानुसार शहर के प्रमुख छठ घाट – मंगल तालाब, हरदला कुंड, दड़वा नदी, रामपुर छठ घाट एवं अन्य स्थानों पर सफाई कार्य तेजी से किया जा रहा है। सफाई कर्मियों द्वारा घाटों की मिट्टी समतल करने, जलकुंभी हटाने, कचरा निस्तारण, घाट सीढ़ियों की धुलाई एवं आसपास के क्षेत्रों की स्वच्छता सुनिश्चित की जा रही है। नगर आयुक्त के दिशा-निर्देश पर सहायक नगर आयुक्त गौरव कुमार, नगर प्रबंधक प्रतिदिन स्वयं छठ घाटों का निरीक्षण कर सफाई कार्य की प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं। नगर निगम का उद्देश्य है कि श्रद्धालु व्रतियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण में सूर्य उपासना करने की सुविधा मिले। निगम प्रशासन ने सभी संबंधित शाखाओं को निर्देश दिया है कि छठ पूजा के पूर्व तक प्रत्येक घाट की सफाई, प्रकाश व्यवस्था एवं अपशिष्ट प्रबंधन कार्य पूर्ण कर लिया जाए।

जमील अख्तर बने राजद अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष

दुमका : झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष जमीरुद्दीन अंसारी ने दुमका के निष्ठावान राजद कार्यकर्ता जमील अख्तर को राजद अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। जिला अध्यक्ष मनोनीत करने पर अधिवक्ता जमील अख्तर ने अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सहित राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, राजद नेता तेजस्वी यादव, राजद प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव, झारखंड सरकार के लोकप्रिय मंत्री संजय प्रसाद यादव और देवघर विधायक सुरेश पासवान के प्रति आभार प्रकट किया।

बाहर से आने वाले देवतुल्य श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कठिनाई नहीं हो इसका ख्याल रखा जाए : डीसी

संवाददाता

देवघर : जिले के उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में सोमवार को बाबा मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को सुदृढ़ और बेहतर बनाने के उद्देश्य से पंडा पुरोहित समाज के प्रतिनिधियों व सम्मानित सदस्यों के साथ बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। इस दौरान बाबा मंदिर की व्यवस्थाओं के अलावा श्रद्धालुओं की सुविधा लेकर की जाने वाली विभिन्न कार्यों पर चर्चा करते हुए पंडा समाज के सदस्यों व प्रतिनिधियों से उनके सहयोग और विचारों से उपायुक्त अवगत हुए।

इसके अलावे बैठक के दौरान उपायुक्त श्री लकड़ा ने कहा कि बाहर से आने वाले देवतुल्य श्रद्धालुओं को बेहतर से बेहतर सुविधा मुहैया कराने हेतु हम सभी को मिलकर पूरे तत्परता के कार्य करने की आवश्यकता है, ताकि सभी के जन सहयोग से सुरक्षित जलार्पण के साथ श्रद्धालुओं को बाबा नगरी में एक सुखद अनुभूति दी जा सके। साथ हीं श्रद्धालुओं के सुगम जलार्पण, पूजा-अर्चना को लेकर विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए मंदिर प्रांगण में आवश्यक कार्यों को तय समय के अनुरूप पूर्ण करने की बात उपायुक्त ने कही। आगे शीघ्रदर्शनम् कूपन की व्यवस्था को और भी सुगम बनाने के उदेश्य से विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा की गयी, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कठिनाईयों का सामना न करना पड़े।

बैठक में पुलिस अधीक्षक सौरभ, उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, अपर समाहर्ता हीरा कुमार, बाबा मंदिर प्रभारी सह अनुमंडल पदाधिकारी देवघर रवि कुमार, सरदार पंडा, पंडा धर्मरक्षिणी के अध्यक्ष सुरेश भारद्वाज, पंडा धर्मरक्षिणी के महामंत्री श्री निर्मल झा, सहायक मंदिर प्रभारी सह जिला खेल पदाधिकारी संतोष कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी एवं पंडा व तीर्थ पुरोहित समाज के सदस्य, प्रतिनिधि व संबंधित विभाग के अधिकारी, डीएमएफटी की टीम आदि उपस्थित थे।

चक्रधरपुरः छठ पर्व से पहले जर्जर सड़कों के मरम्मत की उठी मांग

भाजपा नेता पवन शंकर पाण्डेय ने उपायुक्त को लिखा पत्र

संवाददाता

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर शहर की कई सड़कों की जर्जर हालत को देखते हुए भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष पवन शंकर पाण्डेय ने जिला प्रशासन से त्वरित हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में उपायुक्त, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा को एक ज्ञापन सौंपा है।

ज्ञापन में कहा गया है कि शहर की सड़कों की हालत इतनी खराब है कि न केवल वाहनों का चलना मुश्किल हो गया है, बल्कि पैदल चलने वालों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दुर्गा पूजा से पहले मरम्मत की बातें हुई थीं, परंतु कार्य शुरू नहीं हो सका। अब दीपावली और छठ जैसे बड़े पर्व निकट हैं, ऐसे में यदि समय रहते सड़कें दुरुस्त नहीं की गईं तो आम लोगों व श्रद्धालुओं को भारी परेशानी उठानी पड़ेगी।

श्री पाण्डेय ने जनहित को ध्यान में रखते हुए जिन सड़कों के तत्काल मरम्मत की मांग की है, उनमें शामिल हैं :

1. गुदड़ी बाजार के पास सरजु हलवाई होटल से टेबल लाइन तक का मार्ग।
2. चाँदमारी हनुमान मंदिर से टोकलों रोड तक।
3. बाटा रोड से बाजार पोस्ट ऑफिस होते हुए रेलवे बाउंड्रीवाल तक।
4. पवन चौक से पुरानी बस्ती होकर सोनुवा रोड तक।
5. एनएच-75 से बाटा रोड होते हुए निरंजन भगेरीया के दुकान तक।
6. गुदड़ी बाजार में महेश साव के घर से सूरज गुप्ता होते हुए काशी भगेरीया के दुकान तक का मार्ग।

उन्होंने जिला प्रशासन से आग्रह किया है कि छठ पर्व से पहले इन सड़कों की मरम्मत का कार्य पूरा कराया जाए, ताकि श्रद्धालुओं और आम नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिल सके।

तीन महीनों से फरसा टोली में बिजली नहीं भाजपा नेता श्रद्धानन्द से मिले ग्रामीण

संवाददाता

सिमडेगा : सिमडेगा प्रखंड में स्थित सेवई पंचायत फरसा टोली ग्राम के अनेकों महिला पुरूष भाजपा नेता श्रध्दानंद बेसरा के साथ विद्युत संबंधित समस्या को लेकर करके विद्युत कार्यपालक अभियंता सिमडेगा के कार्यालय पहुंचे। विद्युत कार्यपालक अभियंता सिमडेगा की अनुपस्थिति रहने के कारण उनके कार्यकाल में आवेदन जमा किया गया।

श्री बेसरा ने मोबाइल के मार्फत विद्युत कार्यपालक अभियंता सिमडेगा को संबंधित विद्युत समस्या से अवगत कराया और जल्द से जल्द समाधान करने के लिए कहा।

ज्ञात हो कि विगत तीन महीना पुर्व आंधी तूफान आने के कारण फरसा टोली ग्राम के सात - आठ विद्युत खंभे क्षतिग्रस्त हो गया था । इस बात की जानकारी श्री बेसरा के द्वारा कार्यपालक अभियंता महोदय जी को दिया गया था, परन्तु उक्त गांव में क्षतिग्रस्त विद्युत खंभों को विभाग द्वारा बदलने का कार्य अभी तक नहीं किया गया। और अब कुछ दिनों पूर्व विद्युत ट्रांसफार्मर भी खराब हो गया। और आवेदन विद्युत कार्यपालक अभियंता सिमडेगा के कार्यालय में जमा कर दिया गया। आवेदन जमा करने में करमपाल मांझी, दिनेश मांझी, लगन प्रधान, भागवती देवी, बालकिशोर बेसरा, सुरेन्द्र मांझी, सगनी देवी, इत्यादि महिला पुरूष उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी : उपायुक्त

संवाददाता

दुमका : समाहरणालय के सभागार कक्ष में सोमवार को जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त, सहायक समाहर्ता, सिविल सर्जन, सभी प्रखंडों के चिकित्सा पदाधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और उपलब्धता पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि सभी प्रखंडों में एसेंशियल दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी मरीज को दवा की कमी का सामना न करना पड़े।

उपायुक्त ने कहा कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों में ग्लूकोमीटर, हीमोग्लोबिन जांच मशीन, ब्लड प्रेशर मॉनिटर, नेबुलाइजर जैसे सभी आवश्यक उपकरण कार्यशील स्थिति में रहें। उन्होंने निर्देश दिया कि मरीजों की जांच एवं उपचार में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए, और उपकरणों की नियमित जांच व मरम्मत की व्यवस्था हो। उन्होंने आगे कहा कि प्रत्येक प्रखंड में पर्याप्त संख्या में ममता वाहन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं और प्रसवोत्तर माताओं को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं मिलें इसे सुनिश्चित करें। वाहनों की स्थिति, चालक की उपस्थिति एवं कार्यशीलता की नियमित मॉनिटरिंग करने का भी निर्देश दिया गया।

उपायुक्त ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, और सभी योजनाओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज निर्माण के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूती सबसे आवश्यक है।

गर्भवती एवं धात्री महिला तथा नवजात शिशु के अच्छे स्वास्थ्य पोषाहार का ससमय वितरण सुनिश्चित करने तथा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पोषक तत्व से भरपूर साग -सब्जियों फल, खाद्य पदार्थों के सेवन के प्रति जनजागरूकता फैलाने का निर्देश दिया गया ' सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित कराने के लिए लिए विभिन्न बिंदुओं पर बैठक में चर्चा किया गया तथा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया ' गर्भवती महिलाओं को आयरन की गोली के सेवन के लिए जागरूक करने हेतु विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया।

बोर्ड ऑफ स्टडीज की आयोजित बैठक संपन्न

दुमका : सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय (एसकेएमयू), दुमका के विभिन्न चार विभागों में सोमवार को बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक आयोजित की गई। जिन विभागों में बैठकें संपन्न हुईं, उनमें कॉमर्स, अर्थशास्त्र, संथाली और अंग्रेजी विभाग शामिल हैं। बैठकें एनीपी के तहत संचालित यूजी सिलेबस के अनुमोदन के लिए आयोजित की गई थीं। बैठक में संबंधित विभाग के शिक्षकों के साथ-साथ बाह्य विषय विशेषज्ञ भी शामिल हुए। कॉमर्स विभाग की बैठक में डॉ. रविन्द्र कुमार, सह-प्राध्यापक, रांची विश्वविद्यालय एवं योगोदा सत्संग महाविद्यालय, रांची के वाणिज्य विभागाध्यक्ष, बाह्य विशेषज्ञ के रूप में ऑनलाइन उपस्थित हुए। आंतरिक सदस्यों में डॉ. टी. पी. सिंह, संकायाध्यक्ष वाणिज्य; दीपक कुमार दास, विभागाध्यक्ष; डॉ. बिनोद मुर्मू, सहायक प्राध्यापक, स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग; अमित नाग; डॉ. ज्ञान चंद; डॉ. टीपू कुमार; अमृत होरो; अजित मंडल, सत्संग कॉलेज; और रंजीत प्रसाद, मधुपुर कॉलेज शामिल थे। बैठक में कुल 11 विषयों के सिलेबस की समीक्षा और अनुमोदन किया गया। जिन विषयों का अनुमोदन कॉमर्स विभाग के बोर्ड ऑफ स्टडीज से किया गया, उनमें कॉमर्स मेजर, कॉमर्स, बैंकिंग और वित्तीय सेवाएँ, प्रबंधन एवं व्यवसाय प्रबंधन के एसोसिएटेड और ऐलेक्टिव विषय शामिल हैं। वहीं, वोकेशनल पाठ्यक्रम में विज्ञापन प्रबंधन, डिजिटल मार्केटिंग और प्रबंधन, उद्यमिता विकास कौशल, लेखांकन के मूलभूत तत्व तथा एमडीसी में जीएसटी और डिजिटल मार्केटिंग को अनुमोदित किया गया। बैठक में बाह्य विशेषज्ञ डॉ. रविन्द्र कुमार ने सभी ग्यारह सिलेबस का क्रमबद्ध रूप से समीक्षा की और आवश्यक सुझाव दिए।

क्विज प्रतियोगिता में चुनाव जागरूकता अभियान का मिला संदेश

संवाददाता

चरपोखरी : आज स्थानीय प्रोजेक्ट बालिका+2 विद्यालय चरपोखरी के कला प्रेक्षागृह में क्विज प्रतियोगिता आयोजित किया गया। विषय था 2025 चुनाव जागरूकता अभियान व आम आवाम तक साकारात्मक संदेश देना। प्रभारी प्रधानाध्यापक वरिष्ठ शिक्षक सुकेश कुमार ने प्रतियोगिता सफलता के लिए छात्राओं को खुब प्रेरित कर,समाज में सटीक संदेश पहूंचे इस दिशा में विचार साझा किए । प्रतियोगिता संचालिका के रूप में शिक्षिका अंशिका कुमारी छात्राओं से बारी-बारी से सवाल रखना शुरू किया। छात्राओं से चुनाव व संविधान संबंधी सवाल कर एक अलग ही पहेलीनुमा माहौल सृजित कर दिया। कार्यक्रम दो हिस्सों में बटा हुआ था एक तरफ से सवाल सुश्री अंशिका कुमारी कर रही थी और दूसरी तरफ से बारी-बारी से सवाल

चित्रकार रौशन राय। समय समय पर वैचारिक संबोधन शिक्षक शिक्षिकाओं ने प्रतियोगिता में रख उत्सवनुमा माहौल बना दिया। अपने मौलिक संबोधन में मनोविज्ञान शिक्षिका रिंकल कुमारी ने कहा यह लोकतंत्र है यहां मानव-निर्मित व्यवस्था चलता है। लोगों को अपना मत जरूर देना चाहिए। वहीं शिक्षिका अर्पिता यादव, अर्चना कुमारी,रिंकी कुमारी,इन्दु यादव, रविनंदनी जी, प्रीति कुमारी भी चुनाव व लोकतंत्र कि प्रासांगिकता पर विचार रखी। लोकतंत्र का यह महापर्व आम आवाम के साथ छात्राओं में भी सटीक समझ होनी चाहिए। वरिष्ठ शिक्षक मनोज कुमार, संस्कृत शिक्षक सुनित त्रिपाठी, चर्चिल टैगोर,सुभांशु शर्मा,निरज कुमार भी इस अवसर पर अपना वैचारिक मत रख छात्राओं को जागरूकता के लिए प्रयास व प्रेरित किए। छात्राओं ने प्रतियोगिता में सवालों का सटीक उत्तर देकर यह साबित कर दिया कि गांव कस्बों में प्रतिभा की कमी नहीं है। चुनाव बिगुल बजने के बाद से ही स्कूल और सार्वजनिक संस्थाओं में जागरूकता के लिए इस तरह का प्रयास होने लगा है। इस अवसर पर कई छात्राओं ने भी चुनाव व संविधान पर विचार रखी। अंत में धन्यवाद ज्ञापन संगीत शिक्षक प्रमोद कुमार ने किया।छात्राओं में मुख्य बेबी कुमारी, गुड़िया कुमारी, निराशा कुमारी, ज्योति कुमारी, रौशनी कुमारी, रागिनी कुमारी, विशाखा कुमारी मुख्य हैं।